तापमान
अधिकतम 28.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 16 मार्च 2025

नागरिक अस्पताल में दूसरी एक्सरे मशीन ने भी काम करना किया बंद 10

मंदिर में वाटर कूलर दिया दान 10

N N Sharma
Director

शिक्षा – संस्कार – सुरक्षा – सफलता
WOODSTOCK PUBLIC SCHOOL JIND
ADMISSION OPEN
Nur. to XII (Art/Commerce/Science)
Focus on Practicals
Strong Dedicated Teachers Team
Door to Door Transport
Indoor & Outdoor Sports
GOHANA ROAD ASHRAFGARH JIND Contact: 9896561677, 8053011129

Sukeerti Sharma
Principal

खबर संक्षेप

रेलगाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

जींद। भिवानी रोड शर्मा नगर के निकट बीती रात रेलवे लाइन पार करते समय रेलगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। रेलवे थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। भिवानी रोड निवासी मुकेश बीती रात शर्मा नगर के निकट जींद-बठिंडा रेलवे लाइन को पार कर रहा था। इस दौरान वह रेलगाड़ी की चपेट में आ गया।

कानों की बालियां छीनने का आरोपित गिरफ्तार

कैथल। कानों की बालियां छीनने के मामले की जांच थाना सीवन एसएचओ एसआई कुलदीप सिंह की अगुवाई में एसआई संदीप कुमार द्वारा करते आरोपी खरंका निवासी हरविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव निवासी महिला सीता की शिकायत अनुसार 13 मार्च की शाम करीब 6 बजे खेत से रेहड़ी लेकर घर जा रही थी।

टैंकर ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

जींद। छात्तर मोड़ के पास होली के त्यौहार पर गुरूवार शाम को अपने मामा से मिल कर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि दो युवक घायल हो गए। पुलिस को दी शिकायत में हिसार बिठमड़ा गांव निवासी अजय ने बताया कि वह पढ़ाई कर रहा है। गुरूवार को वह बाइक पर गांव के ही दोस्त गुरबचन और साहिल के साथ बधाना गांव में साहिल के मामा से मिलने आए हुए थे।

दूसरे के स्थान पर पेपर देने के मामले में आरोपी पकड़े

कैथल। शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में दूसरे के स्थान पर पेपर देने के मामले की जांच थाना शहर पुलिस के एएसआई दलबीर सिंह की टीम ने आरोपी करोड़ा पंजाब निवासी अमित, सोंगल निवासी सुखविंद्र, छौत निवासी अभिलाष, बड़सीकरी निवासी प्रदीप व अजय, गढ़ी निवासी गुरदीप व कुलदीप तथा कैथल निवासी 17 वर्षिय किशोर को पकड़ लिया गया है।

दुकान का ताला तोड़कर चोरी, मामला दर्ज

सफीदों। सफीदों पुलिस ने दुकान में चोरी का मामला दर्ज किया है। शिकायत में गांव सिंघाना निवासी गुरमेज ने कहा कि वह गांव में नाई की दुकान चलाता है। 14 मार्च की रात 9 बजे दुकान को बंद कर घर पर आकर सो गया था। सुबह जब दुकान पर पहुंचा तो पाया कि दुकान का शट्टर टूटा हुआ था और अंदर रखे गल्ले में रखे करीब आठ हजार रुपये व सामान गायब था।

नशा तस्कर से 204 ग्राम अफीम बरामद

कैथल। एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा नशा न करने बारे आमजन को जागरूक किया जा रहा है, वहीं पर पुलिस द्वारा नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी मुहिम तहत एंटी नारकोटिक सेल द्वारा कलायत क्षेत्र से एक नशा तस्कर को 204 ग्राम अफीम सहित काबू कर लिया गया।

युवक का अपहरण कर मारपीट का आरोप

कैथल। आपसी रंजिश को लेकर तीन युवकों ने एक युवक का अपहरण कर उस पर बिंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। इस संबंध में गांव काकौत के नकली ने तितरम पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है।

असलहा से आधा दर्जन से ज्यादा फायर, स्कूल वैन के शीशे फोड़े

गांव बुआना में घर में घुसकर किया हमला तीन व्यक्ति घायल, बुजुर्ग पीजीआई रेफर

फायरिंग से गांव में मचा हड़कंप, हैप्पी का दिन में गांव के पिन्ना से हो गया था झगड़ा

11 युवकों को नामजद कर 50 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव बुआना में दिन में हुई मारपीट के चलते कुछ युवकों ने घर में घुस कर हमला कर दिया। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। आरोपितो ने अपने पास मौजूद असलहा से आधा दर्जन से ज्यादा फायर किए। गनीमत यह रही कि किसी को गोली नही लगी। आरोपितों ने वहां खड़ी स्कूल वैन के साथ भी तोड़ फोड़ की सूचना पाकर जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती, तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घायलों को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां से एक बुजुर्ग व्यक्ति की गंभीर हालत देख पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। जुलाना थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर 11 युवकों को नामजद कर 50 अन्य के खिलाफ मारपीट करने, तोडफ़ोड़ करने शस्त्र अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

गांव बुआना निवासी ओमप्रकाश परिवार के लोग बीती देर शाम अपने मकान में बैठे खाना खा रही थी। इस दौरान काफी संख्या में युवक घर में घुस आए और ओमप्रकाश परिवार पर हमला कर दिया। जिसमें ओमप्रकाश, उसके बेटे संजय तथा अजय को काफी चोटें आई। हमलावरों ने अपने पास मौजूद असलहा से आधा दर्जन से ज्यादा राउंड फायरिंग की। गनीमत यह रही की गोली किसी को नही लगी। फायरिंग के चलते गोलियों के निशान दीवारों पर देखने को मिले। आरोपितों ने गली में खड़ी स्कूल वैन के शीशे भी तोड़ डाले। फायरिंग से गांव में हड़कंप मच गया। जब तक पुलिस सूचना पाकर मौके पर पहुंचती तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घायल ओमप्रकाश व उसके बेटे संजय तथा अजय को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने ओमप्रकाश की गंभीर हालत देख पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। बताया जाता है कि ओमप्रकाश के पोते हैप्पी का दिन में गांव के ही पिन्ना से गांव किनाना में झगड़ा हो गया था। दोनों के बीच मारपीट हो गई थी। शुक्रवार शाम को पिन्ना ने अपने साथियों को बुला लिया और हैप्पी के घर पर हमला कर दिया। इसमें हैप्पी के दादा ओमप्रकाश तथा पिता संजय व चाचा अजय घायल हो गए। जुलाना थाना पुलिस ने घायल संजय की शिकायत पर पिन्ना, बिट्टू, संजय, बबलू सहित 11 लोगों को नामजद कर 50 अन्य के खिलाफ मारपीट करने, तोडफ़ोड़ करने, शस्त्र अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींद। घटना के बाद पीड़ितों के बयान दर्ज करते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

जींद। दीवार पर गोली के निशान और हमले में टूटा स्कूल वैन का शीशा।

मामले की जांच जारी

जुलाना थाना प्रभारी जगदीश ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और वहां के हालातों का जायजा लिया गया। घायल पक्ष की शिकायत पर 11 लोगों को नामजद कर 50 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

शराब पीने के दौरान कहासुनी, व्यक्ति की कस्सी से गर्दन काटकर निर्मम हत्या

- मृतक की पत्नी की शिकायत पर दो के खिलाफ दर्ज किया हत्या का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव मल्हार में बीती रात शराब पीने के दौरान हुई कहा सुनी के दौरान दो युवकों ने एक व्यक्ति की कस्सी गर्दन काट कर निर्मम हत्या कर दी। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर दो लोगों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जान शुरू कर दी है। गांव मल्हार निवासी बलराम (34) गांव के ही सुखबीर तथा मंकुश के साथ बीती देर शाम अपने पशु बाड़े में शराब पी रहा था। इस दौरान किसी बात को लेकर बलराम की सुखबीर तथा मंकुश से कहा सुनी हो गई। जिसके चलते दोनों आरोपितों ने कस्सी से वार कर बलराम की गर्दन काट दी। आरोपीतों ने बलराम के सिर पर ईंट से भी वार किए गए। परिजनों को घटना का उस समय पता चला जब मृतक बलराम की पत्नी कुसुम पशुबाड़े में पहुंची।

आरोपितों की तलाश जारी

मृतक की पत्नी कुसुम ने पुलिस को बताया कि उसका पति बलराम पानीपत होटल में काम करता था। होली के त्यौहार के चलते वह घर आया था। आरोपितों ने छह माह पहले उसके पति को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी थी लेकिन धमकी को नजर अंदाज कर दिया था। फाग के त्योहार पर शाम को योजना के तहत आरोपितों ने वारदात को अंजाम दे दिया। पुलिस ने मौके से दो शराब की खाली बोतल, डिस्पोजल, नमकीन के पैकेट, खून से सनी हुई ईंट को बरामद किया है। पिल्लूखेड़ा थाना प्रभारी दीवान सिंह ने बताया कि शराब पीने के दौरान आपस में कहा सुनी हुई थी। जिसके चलते वारदात को अंजाम दिया गया है। आरोपितों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पूंडरी। क्रेन से गाड़ी को चौकी में लाते पुलिस। फोटो :हरिभूमि

कार छोड़कर युवक फरार पुलिस ने कब्जे में ली गाड़ी

- गाड़ी में से मिले दर्जनों डंडे व बिंडे, झगड़े की फिराक में थे युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

होली के त्योहार को देखते पुलिस ने शहर में कई दिनों से नाके लगाने शुरू किए थे। किसी भी संभावित अपराध को रोकने के लिए पूंडरी चौकी के सामने पुलिस ने शनिवार को नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान दिल्ली नंबर की एक स्विफ्ट कार डीएल 9सी क्यूएक्स 8427 पुलिस नाका देखकर अचानक वापस मुड़कर भागने लगी। पुलिस को इस हरकत पर संदेह हुआ और चौकी इंचार्ज राजेंद्र सिंह ने तुरंत कार का पीछा किया। चालक ने शहर की गलियों में तेज रफ्तार से गाड़ी दौड़ाई और अंततः सैनी धर्मशाला के पास छोड़कर फरार हो गए। जब पुलिस ने कार की जांच की तो उसमें दर्जनों डंडे व बिंडे रखे मिले, जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि युवक किसी झगड़े या अप्रिय घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

शुक्रवार को भी फाग वाले दिन शहर में कई जगह नशे में युवकों ने मारपीट के झगड़े किए थे। अंदेशा लगाया जा रहा है कि ये मामला भी उन्हीं झगड़ों से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही गाड़ी मालिक का पता लगाकर इस मामले की पूरी सच्चाई सामने लाई जाएगी। फिलहाल, पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दिल्ली नंबर की गाड़ी

दिल्ली नंबर की एक स्विफ्ट कार डीएल 9सी क्यूएक्स 8427 पुलिस नाका देखकर अचानक वापस मुड़कर भागने लगी। पुलिस को इस हरकत पर संदेह हुआ और चौकी इंचार्ज राजेंद्र सिंह ने तुरंत कार का पीछा किया। शहर की गलियों में तेज रफ्तार से गाड़ी दौड़ाई और अंततः सैनी धर्मशाला के पास छोड़कर फरार हो गए। जब कार की जांच की तो उसमें दर्जनों डंडे व बिंडे रखे मिले।

जांच जारी

होली के अवसर पर शहर में कुछ स्थानों पर शराब के नशे में झगड़े की घटनाएं सामने आई थीं। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस लगातार नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही है। पुलिस अब कार के नंबर के आधार पर उसके मालिक का पता लगाने में जुटी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि गाड़ी में सवार युवक कौन थे और उनका इरादा क्या था। *राजेंद्र सिंह, चौकी इंचार्ज पूंडरी।*

पिस्टल के बल पर 58 पेटी शराब-नकदी लूटी

- सफेद रंग की गाड़ी में सवार होकर पहुंचे लुटेरों ने दिया वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव शामलो कलां में राजा वाली गुहार पर पर बने शराब बैंड से बीती रात गाड़ी सवार लुटेरों ने पिस्टल के बल पर 58 पेटी देशी व अंग्रेजी शराब तथा नौ हजार की नगदी को लूट लिया। जुलाना थाना पुलिस ने शराब ठेकेदार की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव पिल्लूखेड़ा निवासी प्रवीण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने गांव शामलो कलां राजा वाली सड़क पर शराब सब बैंड खोला हुआ है। जिस पर चंदन नगर हिसार निवासी सुरेश सेल्जमैन के पद पर ड्यूटीरत था। बीती रात गाड़ी में सवार होकर कुछ युवक पहुंचे और सेल्जमेन सुरेश को पिस्तौल के बल पर काबू कर लिया। इसके बाद आरोपितों ने शराब सब बैंड का ताला तोड़ कर 58 पेटी अंग्रेजी व देशी शराब तथा गल्ले से नौ हजार की नगदी को लूट लिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपित फरार हो गए सेल्जमेन सुरेश ने अपने सहयोगी को लूट की घटना के बारे में अवगत कराया। जिसकी सूचना जुलाना थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने संदिग्ध गाड़ी सवार लोगों को तलाशा भी लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। जुलाना थाना पुलिस ने शराब ठेकेदार प्रवीण की शिकायत पर अज्ञात गाड़ी सवार लोगों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींद। जांच करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

अज्ञात पर केस

जुलाना थाना के जांच अधिकारी धर्मवीर ने बताया कि शराब ठेकेदार ने शराब सब बैंड से शराब तथा नगदी लूटने की शिकायत दी थी। फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

चंदाना में नोटिस देने पहुंची पुलिस टीम पर हमला, गाड़ी के शीशे तोड़े

- शिकायत पर सात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

तितरम गांव में झगड़े के एक मामले में आरोपी को नोटिस देने गई टीम पर हमला कर दिया। इस मामले में पुलिस की टीम पर सात आरोपियों ने डंडे, लाठियों और ईंटों से हमला कर दिया। मामले में तितरम थाना में शिकायत दर्ज कर ली गई है। तितरम थाना में दी शिकायत में पीएसआई गगनदीप सिंह ने बताया कि 25 फरवरी को चंदाना गांव निवासी अंकित ने पुलिस को लड़ाई-झगड़े की शिकायत दी थी। इस संबंध में पुलिस की टीम 14 मार्च को आरोपी जीतू को नोटिस देने के लिए तितरम में गई थी। जब वे गांव पहुंचे जीतू व अनिल ने चार से पांच अन्य आरोपियों के साथ मिलकर पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट व हाथापाई की। पुलिसकर्मियों पर डंडे, लाठी व ईंटों से हमला कर दिया और उनको अपशब्द कहे। जब वे बचाव के लिए गाड़ी में बैठकर जाने लगे तो सभी ने उनका रास्ता रोक लिया और ईंट पत्थरों व डंडे से हमला कर सरकारी गाड़ी में काफी तोड़फोड़ की। गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। ऐसा करके आरोपियों ने सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। तितरम थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नही जमा करवाए तो रूक जाएगा विद्यार्थियों का रिजल्ट

अब विद्यार्थियों को जमा करवाना होगा टैबलेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 10वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को जो टैबलेट वितरित किए थे, उन्हें अब जमा करवाना होगा। फिलहाल 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं चल रही हैं। जिले में दोनों कक्षाओं के 16 हजार विद्यार्थी हैं। जिसमें से दसवीं कक्षा के नौ हजार और 12वीं कक्षा के सात हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हैं। विभाग द्वारा 10वीं और 12वीं कक्षा के जिन विद्यार्थियों को टैब दिए गए थेए उन्हें वापस जमा करवाने को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने निर्देश जारी किए हैं। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर कहा है कि ई अधिगम के तहत राजकीय स्कूलों में पढऩे वाले दसवीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को टैबलेट व डाटा सिम वितरित किए गए हैं। इन विद्यार्थियों में से कुछ विद्यार्थी 10वीं कक्षा तक में पढ़ रहे हैं, जिन्हें 10वीं के बाद वर्तमान विद्यालय से किसी अन्य विद्यालय में जाना ही है। इसी तरह 12वीं में पढऩे वाले विद्यार्थी भी वार्षिक परीक्षा पास करने बाद विद्यालय छोड़ कर चले जाएंगे। इसलिए विद्यार्थियों को वितरित किए गए टैबलेट जोकि विभाग की संपत्ति है।

चोरी होने पर दे शिकायत: डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुमित्रा ने बताया कि विद्यार्थी विद्यालय से टैबलेट अपने घर ले जाते हैं। इसलिए यदि वे टैबलेट को घर से बाहर जैसे कोचिंग सेंटर, ट्यूशन वा अन्य किसी स्थान पर ले जाते है तो टैबलेट के गुम होने या चोरी होने की संभावना रहती है। इस संदर्भ में टैबलेट चोरी होने की स्थिति में विद्यार्थी के माता-पिता द्वारा नजदीकी पुलिस लाने में एफआईआर दर्ज करवाने उपरांत विद्यालय मुखिया को अंडरटेकिंग भी दी जाएगी। ऐसे विद्यार्थी को नया टैबलेट जारी नहीं किया जाएगा। यदि विद्यार्थी का सिम गुम हो जाता है तो वह अपने विद्यालय को लिखित में प्रार्थना पत्र देगा।

अवसर पोर्टल पर अपलोड की जाए

विद्यालय द्वारा ऐसे सभी विद्यार्थियों जिनके द्वारा टैबलेट विद्यालय में वापस जमा नहीं करवाए जाते हैं। यदि विद्यार्थी से टैबलेट गुम हो गया अथवा विद्यार्थी ने टैबलेट देने से मना कर दिया की सूची बना कर अवसर पोर्टल पर अपलोड की जाए। इसके अतिरिक्त जो विद्यार्थी टैबलेट वापस नहीं करेंगे (टेबलेट गुम होने की स्थिति को छोड़ कर) उनका परिणाम हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा रोक लिया जाएगा तथा ऐसे विद्यार्थियों का परिणाम डिजी लोकर पर भी अपलोड नही किया जाएगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

- गांव अलेवा के निकट जम्मू-कटरा नेशनल हाइवे पर हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव अलेवा के निकट जम्मू-कटरा नेशनल हाइवे पर बीती देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक दिल्ली मेट्रो में काम करते थे।

अलेवा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुलतारन निवासी नवीन तथा गांव पाडला निवासी आशीष बीती देर शाम दिल्ली से बाइक पर सवार होकर जम्मू-कटरा नेशनल हाइवे से अपने घर लौट रहे थे। गांव अलेवा के निकट अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने नवीन को मृत घोषित कर दिया। जबकि आशीष की गंभीर हालत देख उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया।

खबर संक्षेप

होली पर 17 किलो शुद्ध देसी घी से किया हवन

जींद। नरवाना रोड स्थित शांति धर्मी परिसर में होली का पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लगभग 17 किलोग्राम शुद्ध देसी घी से हवन किया गया। जिसमें सैंकड़ों की संख्या में गणमान्य लोगों ने आहुतियां प्रदान की। डा. पंकज सैनी दंपत्ति, पूर्व सैनिक अजीत कुमार, पवनदीप तंवर व राजेंद्र खटकड़ दंपत्ति ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई।

चैरिटी संस्था ने थोड़े से समय में नाम कमाया

नरवाना। नरवाना शहर में कुछ समय पहले एक फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा किया गया वैसे आना? तो स्थानीय विधायक कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने भी था लेकिन सरकारी काम की व्यस्तता की वजह से नहीं आ सके थे। चैरिटी थैरेपी सेंटर द्वारा नाममात्र 50.रु प्रतिदिन फीस रखी गई है बाकी सेंटर में यह 250 प्रतिदिन रखी हुई है जो हर व्यक्ति द्वारा देना सम्भव नहीं है।

बसपा ने कांशी राम का जन्मदिवस मनाया

जींद। बसपा के तत्वावधान में विधानसभा स्तरीय साहब कांशी राम का 91वां जन्मदिवस बाबा साहब अंबेडकर चौक रानी तालाब जींद पर मनाया गया। इसमें मुख्यअतिथि प्रदेश महासचिव देसराज सरोहा अधिवक्ता, विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष द्वारका फुलिया ने की। देसराज सरोहा ने कहा कि बसपा सर्व समाज की पार्टी जिसमें मान्यवर कांशी राम ने कूड़ा बुनकर से लेकर रिक्शा चालक तक राजनीतिक चेतना पैदा की।

रक्तदान शिविर का आयोजन आज

नरवाना। अग्रवाल वैश्य समाज ट्रस्ट रजि नरवाना द्वारा 16 मार्च को रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। प्रधान अर्जुन गोयल ने बताया कि संस्था द्वारा रक्तदान शिविर लगाने का उद्देश्य समाज के उन लोगों को जीवन दान देने के बराबर है जो जरूरत के समय सही ब्लड ग्रुप का खून न मिलने से मर जाते हैं। मुख्य अतिथि राजेश सिंगला प्रॉपर्टी एडवाईजर व सम्मानित अतिथि तीर्थराज गर्ग अध्यक्ष अग्रवाल वैश्य समाज जींद मौजूद रहेंगे।

विधायक ने बच्चों के साथ मनाया रंगों का त्योहार

जींद। उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा वीवीआईपी कलचर को समाप्त करते फाग का पर्व कच्ची बस्ती में रहने वाले बच्चों के साथ मिल कर मनाया। यहां पर बच्चों को गुलाल लगाने के साथ-साथ उनके साथ पर्व को मनाया। विधायक ने कहा कि कच्ची बस्ती में जो बच्चे रहते है उनके साथ पर्व खेलने की उनके मन में थी।

देशी घी के मालपुडे बना कर धरने पर मनाया पर्व

जींद। उचाना उपमंडल कार्यालय में चल रहे संयुक्त किसानए मजदूर मोर्चा के अनिश्चितकालीन धरने के 853वें दिन फाग के पर्व पर देशी घी के मालपुडे बना कर पर्व को मनाया गया। किसान नेता आजाद पालवां ने कहा कि उचाना हलके की मांगों को लेकर धरना निरंतर जारी है। होली व फाग का पर्व भाईचारे का संदेश देते है। इस दिन के पर्व को धरने पर हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए देशी घी के मालपुडे बना गए।

ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया

जींद। हिंदी प्रेरक संस्था की तरफ से अध्यक्षा शकुंतला काजल के निर्देशन में होली के पावन पर्व पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता हरियाणा साहित्य अकादमी के निदेशक धर्मदेव विद्यार्थी ने की और संचालन उपन्यासकारा एवं लोक कवयित्री कमलेश गोयत ने की।

अत्री ने उठाए विस में वर्षों पुराने मुद्दे

जींद। विधानसभा में चल रहे सत्र में उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने उचाना से जुड़े वर्षों पुराने मुद्दों को उठाने का काम किया। सबसे पुरानी मांग ढाकल कोठी से रजबाहा के मुद्दे को उठाते हुए विधायक ने कहा कि ढाकल कोठी से रजबाहा बनने के बाद उचाना के 15 से अधिक गांवों के किसानों को फायदा होगा।

एक्सरे न होने से बढ़ी मरीजों की परेशानी

नागरिक अस्पताल में दूसरी एक्सरे मशीन ने भी काम करना किया बंद

तीन महीने पहले खराब हुई थी एक्सरे मशीन, अब तक नहीं चल पाई

टीबी वार्ड में चल रही दूसरी अतिरिक्त मशीन भी खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

जींद। टीबी वार्ड में एक्सरे रूप पर लगा ताला। फोटो :हरिभूमि

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में लगातार मरीजों की परेशानियां बढ़ रही हैं। तीन माह पहले एक्सरे मशीन खराब हुई थी जोकि अब तक ठीक नही हो पाई है। जैसे-तैसे टीबी वार्ड में संक्रमण के बीच मरीजों के एक्सरे करवाए जा रहे थे।

अब उस मशीन ने भी जवाब दे दिया है। जिसके चलते मशीनों की परेशानियां बढ़ गई हैं। क्योंकि रोड साइड एक्सीडेंट, मारपीट सहित कई गंभीर मामलों में मरीजों के एक्सरे करवाए जाते हैं। प्रतिदिन की ओसत निकाली जाए तो यह 70 से 80 तक पहुंच जाती है। ऐसे में अब नागरिक अस्पताल में एक्सरे न होने से भारी परेशानीहो रही है।

तीन माह पहले खराब हुई थी एक्सरे मशीन, लगाया गया है टेंडरः तीन माह पहले नगारिक अस्पताल में एक्सरे मशीन खराब हुई थी। हालांकि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने टेंडर लगवाए हैं। इसकी ऑनलाइन बिड भी 16 मार्च को खुलनी है। पहले दो बार लगाए टेंडर में किसी एजेंसी ने रुचि नहीं ली। अब उम्मीद है कि तीसरी बार इसमें कोई एजेंसी शामिल होगी। इसके अतिरिक्त यह मशीन शुरू होने से पहले टीबी वार्ड में चल रही एक्सरे मशीन भी खराब हो गई। अब हालात यह हैं कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को एक्सरे के लिए बाहर का रुख करना पड़ रहा है। इसके अलावा अस्पताल में कई तरह की दवाइयों की कमी है तो लैब में होने वाले टेस्ट के लिए कई तरह के रिजेंट नही हैं। अस्पताल प्रशासन के पास बजट नहीं होने से अस्पताल की खुद की सांस टूट रही है। अस्पताल को पिछले दिनों बजट मिला था लेकिन उसमें उधारी भी पूरी नहीं हो पाई।

जल्द ठीक करवाएंगे : डा. भोला

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि नागरिक अस्पताल की पहले खराब हुई मशीन का टेंडर लगाया हुआ है। उसकी 16 मार्च को बिड ओपन होगी। 17 को टेंडर जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद जल्द ही मशीन शुरू होगी। टीबी वार्ड की मशीन को भी जल्द ही ठीक करवा दिया जाएगा। फिलहाल नागरिक अस्पताल के टीबी वार्ड में चल रही मशीन तकनीकी कारणों से चलते खराब हुई है।

प्रतिदिन 1500 ओपीडी

नागरिक अस्पताल में मरीजों की संख्या भी ज्यादा होती है। लगभग 1500 के आसपास अस्पताल में प्रतिदिन मरीज आते हैं। इनमें 200 से ज्यादा मरीजों के एक्सरे होते थे। ज्यादा समस्या एमरजेंसी में आने वाले मरीजों के लिए बनी है। यहां पर सड़क दुर्घटना में घायल, लड़ाई झगड़े में चोट लगनेए सांस के रोगियों समेत अन्य कई तरह के मरीजों के लिए जरूरी होता है। अब इन मरीजों को गंभीर अवस्था में भी बाहर से एक्सरे करवाना होगा।

विश्व नींद दिवस पर कार्यक्रम

- आठ घंटे से कम नींद डालती है नकारात्मक प्रभाव : डा. विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

जींद। मरीज की जांच करते डा. विकास। फोटो :हरिभूमि

विश्व नींद दिवस दुनिया भर में गुणवत्तापूर्ण नींद के महत्व को बढ़ावा देने, अनिद्रा और स्लीप एपनिया जैसे विभिन्न नींद विकारों को उजागर करने और सभी उम्र के लोगों को समग्र स्वास्थ्य के लिए बेहतर नींद की आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस बार विश्व नींद दिवस शुक्रवार को मनाया गया। मनोरोग व मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ डा. विकास फौगाट ने बताया कि इस वर्ष विश्व नींद दिवस की थीम नींद के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें रही। यह थीम हमारे समग्र स्वास्थ्य में नींद की अनिवार्य भूमिका को रेखांकित करती है। यह नींद को स्वास्थ्य के एक आधारभूत पहलू के रूप में बढ़ावा देता है, ठीक वैसे ही जैसे उचित व्यायाम और पोषण। अध्ययनों के अनुसार नियमित रूप से आठ घंटे से कम नींद लेने से आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। डा. विकास ने कहा कि व्यक्तिगत नींद की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं। प्रत्येक रात 8 घंटे की नियमित नींद आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई लाभ प्रदान करती है। मन और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नींद उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितना कि पौष्टिक आहार।

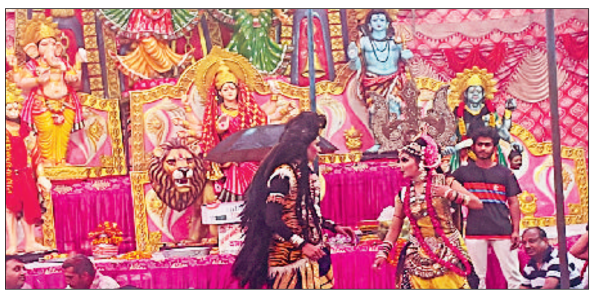
नरवाना। जागरण में झांकी प्रस्तुत करते हुए कलाकार। फोटो :हरिभूमि

सुंदर झांकियों से मोहा मन

नरवाना। नरवाना की पुरानी अनाज मंडी एवं लोहा मंडी के दुकानदारो के आहावान पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भजन संध्या एवं कीर्तन का आयोजन किया गयाए इस मौके पर महसूर भजन गायक कुलदीप कौशिक एण्ड पार्टी ने महामाई के ओर दादा खेड़ा के सुंदर भजनों द्वारा समा बांध दियाए पुरुष ओर महिलाएं नाचने पर मजबूर हो गए। भोले नाथ ओर पार्वती की सुंदर सुंदर झांकियां द्वारा भजन संध्या में शामिल लोगों का मन मोह लिया। नरवाना अनाज मंडी प्रधान राजेश शर्मा, जयप्रकाश, सुभाष गोयल दिल्ली वाले, जैली राम धनौरी वालेए जिया लाल गोयल महासचिव एस डी कालेजए गीता रामए ईश्वर गोयल धमतान वालेए पूर्व मंडी प्रधान सतीश पहलवान आदि भी थिरकने पर मजबूर हो गए । भजन संध्या में काफी संख्या में महिलाएं बच्चे ओर पुरुष शामिल हुए ।

गजब मेरे खाटू वाले गजब थारे ठाठ निराले पर झूमे श्रद्धालु

जींद। श्रीएसएस जैन सभा स्थान के सामने एक शाम खाटू वाले के नाम का आयोजन किया। श्री श्याम परिवार उचाना मंडी द्वारा इसका आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि के तौर पर उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्रीए सुषमा अत्री पहुंचे। मंच संचालन शिवम गोयल द्वारा किया गया। भजन प्रावाहक पावनी खुरानाए हर्ष गोयल कुरूक्षेत्र ने बाबा श्याम के गीतों पर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। गजब मेरे खाटू वाले गजब थारे ठाठ निराले, आ गया दुनियादारी सारी बाबा छोड़ कै, लेने आजा खाटू वाले रींगस के उस मोड परए देना है तो दे दे सांवरे क्यूं ज्यादा तरसावै सै सहित बाबा खाटू श्याम के गीतों विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री भी बाबा श्याम के गीतों पर श्रद्धालुओं के साथ झूमे। अत्री ने कहा कि जीवन में हमेशा सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए।

मांगों को लेकर मंथन किया

- रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी वेलफेयर एसो. की बैठक प्रधान किताब सिंह भनवाला की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला में हुई। जिसमें सभी ब्लॉकों के प्रधान महासचिव, कोषाध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक का एजेंडा महासचिव कुलदीप सिंह गोयत ने पेश किया। कैशलेस मेडिकल के बारे में भी मीटिंग में सभी को अवगत कराया गया और बताया गया कि सरकारी अस्पताल में कैशलेस कार्ड बनाए जा रहे हैं। परंतु सरकार द्वारा अभी तक कैशलेस सुविधा लागू न करने बारे अफसोस जताया। इसके अतिरिक्त रिटायर्ड कर्मचारियों की मुख्य मांगों जैसे 65, 70 व 75 वर्ष की आयु उपरांत बेसिक पेंशन में क्रमशः 5, 10 व 15 % की बढ़ोत्तरी करना, मेडिकल भत्ता एक हजार मासिक से बढ़ा कर तीन हजार मासिक करना, फैमिली पेंशनर्स को एलटीसी सुविधा देना, माननीय न्यायालयों द्वारा रिटायर्ड कर्मचारियों के हक में दिए गए फैसलों का सामान्यीकरण करके उनको सभी पर लागू करना, करोनाकाल में 18 महीने का फ्रिज किया गया महंगाई भत्ता शीघ्र जारी करने आदि मुख्य मांगों को शीघ्र पुरा करने की सरकार से मांग की गई है। ओम सिंह सांगवान, जयदेव शर्मा, जयसिंह, महेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

विधानसभा में भाजपा विधायक और मंत्री करें उद्योगों के लिए जिले की पैरवीः मलिक

- सबसे ज्यादा नेशनल हाइवे तथा रेलवे तंत्र से जुड़ा हैं जींद जिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

देव हिंदू मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष दलजीत मलिक ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिले को बहुत अच्छा स्ट्रेक्चर दिया है। अब जरूरत बड़े उद्योग लगाने की है। जिले को विशेष आर्थिक जोन में तबदील करने का समय है। ज्यादा से ज्यादा यहां पर उद्योग लगें। एक औद्योगिक हब के रूप में विकसित किया जाए। जिसमें युवाओं को रोजगार मिले और रोजगार के नए अवसर भी पैदा हों। जिले ने भाजपा को चार विधायक दिए हैं। जिसमें मंत्री तथा विधानसभा डिप्टी स्पीकर भी शामिल हैं। हरियाणा के बीच में होने तथा प्रदेश के अस्तित्व में आने के साथ जींद भी जिला बना था। बावजूद इसके पिछडापन दूर नही हुआ। केवल रैलियों के तौर जींद को प्रयोग किया जाता रहा। भाजपा सरकार बनने के साथ विकास कार्य जिले मे तेजी से हुए हैं। नेशनल तथा स्टेट हाइवे को जाल जिले में हैं। रेलवे का भी अच्छा तंत्र है। विकास को लेकर पूरा माहौल भाजपा सरकार ने जिले को दिया है। अब सिर्फ यहां पर जरूरत बड़े उद्योगों की है। जिसके लिए जिले के विधायक तथा मंत्री दमदार पैरवी कर यहां पर औद्योगिक जोन को खड़ा कर सकते हैं। यहीं पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। जिससे लोगों का जीवन भी खुशहाल होगा।

युवाओं को रोजगार मिलेगा

जिले में औद्योगिक क्षेत्र को लेकर चर्चा भी चली लेकिन धरातल पर काम शुरू नही हुआ। उन्होंने कहा कि जिले के भाजपा नेताओं को जिले में औद्योगिक ईकाईयों का जाल बिछे इसको लेकर जल्द कार्य शुरू करना चाहिए। जिले में अच्छा सड़कों का जाल है। यहां पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत है। दिल्ली से सीधा तथा नजदीकी जुडाव है। जमीन व अन्य संसाधनों की यहा पर उपलब्धता है। सरकार को चाहिए कि जींद मे विशेष औद्योगिक जोन जल्दी बनाए ताकि यहां के युवाओ को रोजगार मिले सके।

मंदिर में वाटर कूलर दिया दान

- समाजसेवी पवन गर्ग ने बेटे लोकेश का मंदिर में मनाया जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

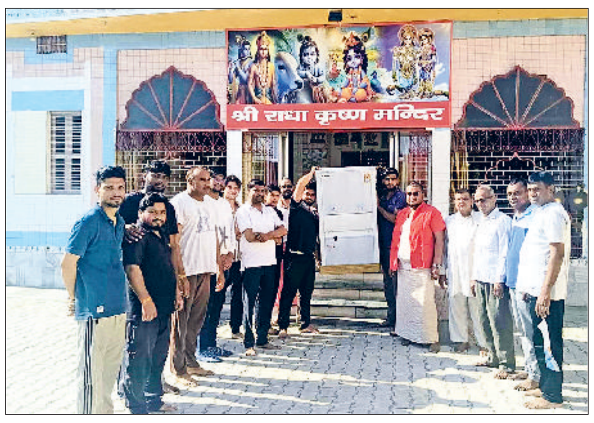

जींद। मंदिर को वाटर कूलर भेंट करते समाजसेवी पवन गर्ग। फोटो :हरिभूमि

जींद क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी एवं उद्योगपति पवन गर्ग ने बेटे लोकेश का 20वां जन्मदिन अहिरका गांव के राधा कृष्ण मंदिर में मनाया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में वाटर कूलर लगवाया। समाजसेवी पवन गर्ग ने कहा कि क्षेत्र में जहां भी जरूरत हो, वह अपने समस्या के अनुसार सहयोग करते हैं। अहिरका गांव के राधा कृष्ण मंदिर में काफी संख्या में बच्चे और ग्रामीण पानी पीने के लिए आते हैं। इसलिए यहां वाटर कूलर लगवाया गया है। मंदिर के महंत नंद रामदास ने पवन गर्ग की बेटे के जन्मदिन पर इस पहल की सराहना की और उनके बेटे की लंबी उम्र की कामना की। महंत नंदराम ने कहा कि समाजसेवी पवन गर्ग क्षेत्र में समाज सेवा के रूप में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अहिरका मंदिर में जो वाटर कूलर दिया है, उसे चार-पांच गांवों के लोगों को सुविधा होगी।

लोधर के परीक्षा केंद्र पर नकल करते एक पकड़ा

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की रसायन विज्ञान विषय की परीक्षा के दौरान लोधर गांव के परीक्षा केंद्र पर एक विद्यार्थी नकल करते पकड़ा गया। उडनदस्ता टीम ने विद्यार्थी के खिलाफ यूएमसी बनाई। हालांकि शनिवार को 12वीं कक्षा की अकाउंट और पब्लिक एड विषय की भी परीक्षा थी, जो नकल रहित रही। वहीं इससे पहले भी 11 मार्च को हुई दसवीं कक्षा की विज्ञान विषय की परीक्षा के दौरान लोधर में एक ही सेंटर पर तीन विद्यार्थी दूसरे की जगह परीक्षा देते हुए पाए गए थे। इसमें एक युवती भी शामिल थी। 11 मार्च को हुई परीक्षा के दौरान बीईओ फ्लाइंग ने निरीक्षण के दौरान लोधर गांव के परीक्षा केंद्र पर एक छात्रा और एक विद्यार्थी को मौके पर ही पकड़ लियाए जबकि तीसरा विद्यार्थी मौके से भागने में कामयाब रहा था। युवती किसी दूसरी लडकी की जगह परीक्षा दे रही थी और युवक अपने भाई की परीक्षा दे रहा था।

होली महोत्सव में छात्रों ने रंग-बिरंगे परिधानों में शानदार नृत्य प्रस्तुत किए

- यदुवंशी शिक्षा निकेतन रंगों और उमंग से हुआ सराबोर

हमिूमि न्यूज ▶▶। जींद

जींद। होली पर्व मनाते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में होली का पर्व हर्षोल्लास और रंगों की बहार के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित विशाल होली महोत्सव में छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधन समिति ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में संस्कृति, संगीत और रंगों का अद्भुत संगम देखने को मिला। होली महोत्सव में छात्रों ने रंग-बिरंगे परिधानों में शानदार नृत्य प्रस्तुत किए। स्कूल बैंड और गायक छात्रों ने पारंपरिक और बॉलीवुड होली गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने इको फ्रेंडली गुलाल से एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। कृष्ण-राधा की होली को जीवंत करते हुए छात्रों ने मटकी फोड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी रंगोली और होली से जुड़े सामाजिक संदेशों पर पोस्टर बनाए।

जींद के विकास को लेकर 11 परियोजनाएं सीएम के संज्ञान में लाई

जींद को मिलेगी ट्रामा सेंटर की सुविधाः डा. मिड्ढा

- सरकार ने जींद के विकास को लेकर हर परियोजना को स्वीकार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद से भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा के प्रयासों से जींद को जल्द ही ट्रामा सेंटर की सुविधा मिलने जा रही है। जल्द ही इस पर कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर द्वारा जींद के विकास को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी के संज्ञान में 11 विकास परियोजनाएं संज्ञान में लाई गई हैं। जिन पर जल्द ही कार्रवाई शुरू होगी।सड़क हादसों में घायलों के लिए ट्रामा सेंटर किसी वरदान से कम नही होता है। जींद के आसपास चारों तरफ हाइवे व नेशनल हाइवे लगते हैं। ऐसे में कोई भी सड़क दुर्घटना होने पर उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया जाता है। ऐसे में लोगों की लगातार मांग आ रही थी कि यहां ट्रामा सेंटर बनाया जाना चाहिए ताकि घायलों को उपयुक्त उपचार मिल सके। ऐसे में डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने लोगों की मांग पर संज्ञान लिया और मुख्यमंत्री से जींद के लिए ट्रामा सेंटर परियोजना को पास करवाया। जिसे मुख्यमंत्री ने मंजूरी दे दी है। जल्द ही अब जींद में ट्रामा सेंटर बनाया जाएगा। जींद के विकास के लिए 11 परियोजनाएं सीएम के संज्ञान में : हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद से भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने जींद के विकास को लेकर बेहद अहम 11 परियोजनाएं मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाई गई हैं।

जिनमें ट्रामा सेंटर परियोजना को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा जींद में इंस्टीटयूट ऑफ टैक्रोलॉजी (आईआईटी), लगभग 2500 लोगों के बैठने की क्षमता का ऑडिटोरियम जिसमें सामुहिक कार्यक्रम किए जा सकें। पांडू पिंडारा तीर्थ का विकास, पैरामेडिकल कालेज के लिए जगह का अधिग्रहण, जींद में बनाए जा रहे रिंग रोड को पूरा करवाना, लुवास विश्वविद्यालय का रीजनल सेंटर, नंदीशाला के लिए जगह की तलाश, हैबतपुर में बनाए जा रहे मेडिकल कालेज का जल्द से जल्द निर्माण करवाने, शहर के अर्बन एरिया में स्मार्ट गलियां बनवाने, इंडस्ट्रीयल मॉडल टाउनशिपर (आईएमटी) बनाई जाए।

हर परियोजना को स्वीकार किया

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग का ख्याल रखा है। उन्होंने जींद के विकास को लेकर जो भी परियोजना सरकार के संज्ञान में लाई है, उसे पूरा किया गया। आज देश तथा प्रदेश में भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों से हर वर्ग खुश है। इसीलिए हरियाणा प्रदेश में टिप्पल इंजन की सरकार है। देश तथा हरियाणा प्रदेश की जनता ने पीएम नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल की नीतियों में आस्था जताई है।

नरवाना। होली मनाते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

चिराग स्कूल में मनाई होली

नरवाना। पटेल नगर स्थित चिराग पब्लिक स्कूल में छात्रों ने हर्ष और उल्लास के साथ होली का उत्सव मनाया। जिसमें जल बचाओ सुरक्षित होली मनाओ और बिना पटाखों वाली होली का संदेश दिया गया। विद्यालय में रंगों की खुशबू तो थी लेकिन पानी व हानिकारक रासायनिक रंगों के बिना एक पर्यावरण.अनुकूल होली का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई जिसमें छात्रों ने होली के महत्व और पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किए। प्रधानाचार्य रमेश वत्स ने छात्रों को संबोधित करते कहा कि होली प्रेम सद्भाव और रंगों का पर्व हैए जिसे हमें प्रकृति को नुकसान पहुँचाए बिना मनाना चाहिए। छात्रों ने एक.दूसरे को हर्बल गुलाल लगाकर होली का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों और छात्रों ने शपथ ली कि वे भविष्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाएंगे और हर त्योहार को प्रकृति के अनुकूल तरीके से मनाएंगे।

खबर संक्षेप

ब्रह्माकुमारी आश्रम राजौंद में मनाया गया होली पर्व

राजौंद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा राजौंद द्वारा होली पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। होली मनाने के लिए असंध सेवाकेंद्र से ब्रह्माकुमारी नीलम दीदी विशेष रूप से पुहची। परमात्म महावाक्यों के साथ साथ उन्होने होली पर्व की शुभकामनाए भाई बहनों को दी और परमात्म प्रेम के रंगों में रंगने का संदेश सभी को दिया। उन्होंने कहा की होली पर्व एकता और सौहार्द का प्रतीक है। इसलिए हमें सिर्फ आज के दिन ही नहीं बल्कि पूरा जीवन ही नफरत घृणा को त्यागकर बिना किसी भेदभाव के मिल जुलकर रहना चाहिए। जीवन में पवित्रता को अपनाकर बीती बातों को बुलाकर आगे का जीवन सहयोग से गुजारना चाहिए। उन्होंने बताया कि हम सबको परमपिता का होकर रहना है और हंस समान सबके गुण रूपी मोती चुगने है। इस दौरान कार्यक्रम में बच्चों ने राधा कृष्ण का रूप धारण कर होली पर प्रेम व शांति से जीवन गुजारने का संदेश दिया।

गौरव स्कूल रोहेड़ा में वार्षिक परिणाम घोषित

राजौंद। गौरव स्कूल रोहेड़ा में वार्षिक परिणाम की घोषणा की गई। प्रधानाचार्य दर्शन सिंह मौण ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी बच्चों का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इसके अलावा विद्यालय में होली के उपलक्ष में बच्चों के लिए कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन दिखाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे रंगों के साथ होली मनाई।

उद्योग नगर में हुई मारपीट में एक घायल

कैथल । कैथल के उद्योग नगर में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। शक्ति नगर के सुनील ने आरोप लगाया है कि 11 मार्च को सायं के समय जब वह उद्योग मार्ग से गुजर रहा था तो विक्की ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके भाई हीरा पर बरगे और सीमेंट की ब्लॉक से हमला करते हुए उसे घायल कर दिया।

जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया होली और फाग महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कैथल/पूंडरी

जिले भर में होली और फाग का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर में जगह-जगह रंग और गुलाल की बौछारों के बीच उल्लास का माहौल देखने को मिला। खासकर युवाओं की टोलियां ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर थिरकती नजर आईं। पूरा शहर रंगों में सराबोर हो गया और चारों ओर होली है की गूंज सुनाई दी।

पूंडरी अनाज मंडी में भी युवाओं, बच्चों और महिलाओं के द्वारा रंग गुलाल से होली पर्व मनाया गया। पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने भी अपने कार्यालय पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ होली का आनंद लिया। उन्होंने सभी को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और मिठाइयां बांटी। इस दौरान उन्होंने कहा होली सिर्फ रंगों का नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का पर्व है। यह पर्व हमें सभी भेदभाव भूलकर एकजुट रहने का संदेश देता है। शांति और सौहार्द के बीच संपन्न हुआ पर्व। होली के अवसर पर पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। सुरक्षा व्यवस्था के चलते त्योहार छुटपुट घटनाओं को छोडकर शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

कैथल। विधायक सतपाल जांबा कार्यकर्ताओं के साथ होली खेलते हुए।

पारंपरिक होली गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं

होली के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया गया। मंदिरों, चौपालों और सामाजिक स्थलों पर फाग मंडलियों ने पारंपरिक होली गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। होली खेले रघुवीरा अवध में, अरे जा रे हट नटखट, रंग बरसे भीगे चुनर वाली जैसे गीतों पर लोगों ने जमकर नृत्य किया। सुबह से ही रंगों और गुलाल की धूम मच गई थी। बच्चे, युवा, बुजुर्ग सभी होली के रंग में रंगे नजर आए। लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर गले मिले और मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं। बाजारों में भी होली का खासा उत्साह देखने को मिला, जहां मिठाइयों और रंग-गुलाल की खरीदारी जोरों पर रही।

धूमधाम से मनाया होली का पर्व

राजौंद। नगर व आसपास के गांवों में रंगों का त्योहार होली धूमधाम के साथ मनाया गया। लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दी, वहीं छोटे-छोटे बच्चों ने पिचकारियों में रंग भरकर टोलियां बनाकर एक दूसरे पर रंग डालकर खूब आनंद उठाया। जहां प्राचीन काल से सभी पर्व देश की एकता व अखंडता के लिए अपनी अहमियत को सार्थक सिद्ध करते आ रहे हैं, वहीं रंगों का त्यौहार होली आज भी समाज में आपसी भाईचारा व प्रेम भावना को बढ़ाने में काफी हद तक सहायक सिद्ध हो रहा है। शहरों में जहां होली का त्यौहार हबीब व रंग गुलाल तक सिमटकर रह गया है, वहीं गांवों में भी पहले की भांति त्यौहार की गरिमा तो नहीं रही, परंतु ग्रामीण क्षेत्र में आज भी देवर भाभी के प्यार का प्रतीक होली का त्यौहार प्राचीन परम्परा के अनुसार मनाया जाता है, जिससे सभी अपने मन मुटाव व वैर भाव की भावना भूलकर होली के रंगों में रंग जाते हैं। ग्रामीण आंचल में रंगों के इस पर्व में महिलाओं द्वारा कपड़े से बने कोरड़े व पुरुषों द्वारा पानी इत्यादि का खुलकर प्रयोग किया जाता है।

होली खेलने के बाद सेल्फी लेते हुए युवा।

रंगों के पर्व पर करीब आधा दर्जन युवक घायल

होली पर अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कैथल

रंगों के पर्व होली पर हुए अलग-अलग सड़क हादसों में चार व्यक्तियो की जान चली गई जबकि करीब आधा दर्जन युवक घायल हो गए। जहां पूरे शहरवासी होली का पर्व मना रहे थे तो वहीं कैथल के नागरिक अस्पताल में अपनो को खोने वालों की चीख पुकार सुनाई दे रही थी। वहीं चिकित्सक भी दिन व रात के सयम विभिन्न हादसों में पहुंचे घायलों की जान बचाने में जुटे रहे।

केस नंबर एक

कैथल सदर थाना में दी गई शिकायत में गुहणा निवासी कृष्ण चंद ने बताया वह कैथल में एक हलवाई की दुकान चलाता है। उसका भाई राधेश्याम ठेकेदार अंशुल गोयल ठेकेदार के पास सुपरवाइजर की नौकरी करता था। राधेश्याम के पास एक आठ साल का बेटा शिवांसु व छह साल की बेटी दिव्या है। शुक्रवार वह अपनी बाइक पर सवार होकर अपने घर से कैथल में अपनी ड्यूटी पर कैथल गया था। वह अपनी बाइक पर अपने निजी कार्य के लिए कैथल आया था। दोपहर करीब पौने तीन बजे अपना कार्य समाप्त करके व और उसका भाई अपनी ड्यूटी करके वापस अपने गांव के लिए चले थे।

वह और उसका भाई फ्रांसवाला व भानपुरा से होते हुए गुहणा गांव में जा रहे थे। उसका भाई राधेश्याम अपनी बाइक से उससे आगे-आगे चल रहा था। भानपुरा से उनके गांव गुहणा जाने वाली सड़क पर जब वह गांव निवासी विक्रम के खेतों के पास पहुंचा तो सामने से एक अज्ञात गाड़ी चालक ने उसके भाई की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मेरा भाई व उसकी बाइक सडक किनारे खदानों में गिर गई। टक्कर लगने के बाद गाड़ी चालक भीड़ का फायदा उठाकर भाग गया। उसके भाई राधेश्याम को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कैथल। गांव दयोरा के निकट हुए सडक हादसे में मृतक युवा

केस नंबर दो

राजौंद थाना में दी गई शिकायत में जींद के रमना पट्टी गांव छातर निवासी अंकुश ने बताया कि वह 14 मार्च को अपने गांव छातर में था। उसे फोन के माध्यम से सूचना मिली कि गांव छातर निवासी उसके भाई अनिल को सड़क दुघर्टना में चोट लगी है। इस सूचना पर वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ सरकारी अस्पताल कैथल पहुंचा, उसे वहां पंहुचकर पता चला कि उसका भाई अनिल किसी काम से अपनी बाइक से भाना गांव गया था। जब उसका भाई भाणा से वापस गांव छातर आ रहा था तो रोहेड़ा माजरा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन चालक ने अपने वाहन की लापरवाही से चलाकर साइड मारी। जिससे उसके भाई की बाइक का संतुलन बिगड़ गया। इस दुर्घटना में उसके भाई के सिर पर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

केस नंबर तीन

कैथल सदर थाना में दी गई शिकायत में क्योड़क निवासी मनोज कुमार ने बताया कि वह खेती-बाडी का काम करता है। उसके पास दो लड़के है। उसका 16 वर्षीय छोटा बेटा अनिकेत अपने 17 वर्षीय अमरेंद्र व 15 वर्षीय देवांशु शुक्रवार दोपहर के समय दयोहरा गांव में होली खेलने गए हुए थे। वह दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अपनी बुलेट पर बाइक अपने किसी निजी काम से दयोहरा जा रहा था। जब वह क्योड़क-जसवंती रोड से दयोहरा की तरफ रणबीर के खेत के पास पहुचा तो उसका बेटा अपने दोस्तों के साथ वहां मिला। उस समय वह अपनी बाइक साइड में खड़ी कर लघु शंका के लिए गया तो उस समय देखा एक पिकअप चालक अपनी गाड़ी को तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाता हुआ आ रहा था। उसने उसके देखते ही देखते अपनी गाड़ी की टक्कर पहले पेड़ में मारी और उसके बाद बाइक व उसके पास खडे.तीनों बच्चों को मारी। इस हादसे में अमरेंद्र व देवांशु की मौके पर मौत हो गई।

नपा अध्यक्ष हेमलता सैनी के घर बधाई देने वालों का लगा तांता

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सीवन

सीवन नगरपालिका अध्यक्ष हेमलता सैनी के घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बुधवार देर रात तक बधाई देने वाले लोग आते रहे और सुबह से ही लोग हेमलता सैनी के घर पर जीत और होली की बधाई देने पहुंचने लगे।

पहली बार सीवन नगरपालिका के चुनाव हुए और हेमलता सैनी के सिर पर पहली नगरपालिका अध्यक्षा होने का ताज सजा है। ऐसे में उनके पति संदीप सैनी, ससुर गुलाब सैनी के चेहरे पर खुशी झलकती साफ देखी जा सकती है।हेमलता सैनी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अब वह नप अध्यक्षा बन गई हैं तो पहली प्राथमिकता सीवन का विकास होगा। सभी पार्षदों को साथ लेकर चलना और नगर में विकास कार्य करवाना सबसे पहले आता है। नगर में बहुत से छोटे छोटे कार्य रुके हुए हैं उन्हें पूरा करवाया जाएगा। जो भी गलियों व नालियों के काम अधूरे हैं उन्हें पहले पूरा करवाया जाएगा। नगर में स्ट्रीट लाइट की मांग बहुत पुरानी है।

सीवन। नगरपालिका अध्यक्ष हेमलता सैनी के घर बधाई देने पहुंचे ग्रामीण

ग्रामीण सिलाई समृद्धि योजना का 15 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶। राजौंद

गांव जाखौली के पंचायत पवन कमान पट्टी में खाद्यी और ग्रामोद्योग अंबाला छावनी द्वारा ज्योति ग्रामीण विकास मंडल के सहयोग से ग्रामीण सिलाई समृद्धि योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण शुरू किया गया।

इसमें 15 से 20 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता फूल कुमार कादियान ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वरोजगार को प्राप्त करना व सामाजिक सहभागिता के हिस्सा बनना है। यह प्रशिक्षण शिविर 15 दिन तक चलेगा, जिसमें महिलाओं को सिलाई समृद्धि योजना के साथ साथ अन्य जानकारी भी दी जाएगी। इस दौरान प्रशिक्षक कांता ने सभी को मशीन पैडल व नई तकनीक के तहत कपड़े बनाने का तरीका बताया। इस दौरान अंजी, तमन्ना, सरोज, सीम, मीना, सुमन, आदि ने अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता फूल कुमार कादियान जानकारी देते हुए।

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में मनाया होली का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶। राजौंद

राजौंद के असंध मार्ग पर स्थित बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में होली के पर्व धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय प्रांगण में रंग-बिरंगे गुलाल और फूलों से सराबोर हो गया। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और प्राचार्या ने मिलकर होली के रंगों का आनंद लिया।

सबने मीठी मीठी गुजिया का आनंद लेकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान विद्यालय प्राचार्या जसविंदर मलिक ने सबको होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह होली हमारे जीवन में बुराइयों को समाप्त कर अच्छाइयों का समावेश करती है तथा परस्पर प्रेम बन्धुत्त्व भाईचारे को जागृत करती है। यह त्योहार हमें अपने समस्त वैमनस्य व शत्रुता को त्याग कर एक दूसरे के साथ मिलकर एक आदर्श समाज का निर्माण करने हेतु प्रेरणा देती है। इस दौरान विद्यालय से शिप्रा गुप्ता,नीरू राणा, काजल,सोनिया,संध्या, सिमरन,रीना रानी,संतोष, अजय और दीपक राणा सहित शिक्षक मौजूद रहे।

होली का पर्व मनाते हुए बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल के स्टाफ व विद्यार्थी।

पूंडरी में निकाली गई श्री खाटू श्याम निशान यात्रा

- जागरण में विशेष रूप से विधायक सतपाल जांबा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।
- जागरण स्थल पर बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया।
- बाबा के लिए विशेष 56 भोग इत्र व पुष्प वर्षा की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶। पूंडरी

श्री श्याम परिवार ट्रस्ट पूंडरी की ओर से शहर में रविवार को भव्य निशान यात्रा निकाली गई।

यात्रा श्री रघुनाथ एवं खाटू श्याम मंदिर से शुरू होकर मुख्य बाजार से होते हुए नई अनाज मंडी स्थित जागरण स्थल पर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु हाथों में श्री श्याम बाबा के निशान (झंडे) लेकर भाव-विभोर नजर आए। भक्तगण पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ डीजे पर बज रहे भजनों पर नाचते-गाते बाबा श्याम का जयघोष कर रहे थे। निशान यात्रा का शुभारंभ ट्रस्ट अध्यक्ष प्रवीण गर्ग बाता ने श्री श्याम मंदिर में पूजा-अर्चना करके किया। इस दौरान पूरा वातावरण जय श्री श्याम के जयकारों से गूंज उठा। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने पूरे भक्ति भाव से बाबा श्याम के जयकारे लगाए। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग बात्ता ने बताया कि रविवार शाम को नई अनाज मंडी में विशाल श्री खाटू श्याम जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस जागरण में विशेष रूप से विधायक सतपाल जांबा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। जागरण स्थल पर बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया। बाबा के लिए विशेष 56 भोग, इत्र व पुष्प वर्षा की व्यवस्था की गई है। फतेहाबाद के प्रसिद्ध गायक परविंदर पलक, जयपुर के अभिषेक नामा और टोनी श्री खाटू श्याम बाबा के भजनों का गुणगान करेंगे। श्री श्याम भक्तों के इस विशाल आयोजन को लेकर नगरवासियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

पूंडरी। श्री खाटू श्याम निशान यात्रा के दौरान श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

होली का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया

फाग के दिन एसएचओ के नेतृत्व में पुलिस ने बनाए रखी व्यवस्था

शहर में हुड़दंग मचा रहे मोटरसाइकिल चालकों के खिलाफ की कार्रवाई, कई वाहन किए इंम्पाउंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶। पूंडरी

फाग के दिन पुलिस ने शहर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती से काम लिया। पुलिस एस.एच.ओ. रमेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर की सडकों पर निकली मोटरसाइकिलों की जांच की और अव्यवस्थित चालकों पर कार्रवाई की।

पुलिस ने उन मोटरसाइकिल चालकों को इम्पाउंड किया जो अपनी मोटरसाइकिलों पर हुड़दंग मचाने की कोशिश कर रहे थे या जिनके सलैंसर या बाइक आपत्तिजनक स्थिति में थी। इस कार्रवाई से शहर में व्यवस्था बनी रही और लोगों को होली का त्योहार

- हुड़दंग मचाने की कोशिश कर रहे मोटरसाइकिल चालकों को इम्पाउंड किया
- मोटरसाइकिलों के परथे या सलैंसर या बाइक आपत्तिजनक स्थिति में मिली

पूंडरी। जानकारी देते हुए पुलिस एस.एच.ओ. रमेश कुमार ,साथ में चौकी प्रभारी राजेंद्र कुमार। फोटो:हरिभूमि

सख्ती से काम लिया

एस.एच.ओ. रमेश कुमार ने कहा, हमने होली व फाग के दिन शहर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती से काम लिया। हमने उन मोटरसाइकिल चालकों पर कार्रवाई की जो अव्यवस्थित तरीके से चल रहे थे। हमारा उद्देश्य शहर में शांति और व्यवस्था बनाए रखना है। पुलिस की इस कार्रवाई को शहर के लोगों ने सराहा है। लोगों ने कहा कि पुलिस की सख्ती से शहर में व्यवस्था बनी रही और होली का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाय गया। इस मौके पर पुलिस चौकी प्रभारी राजेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

नपा चेयरपर्सन ने माता मनसा देवी मंदिर में टेका माथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। पूंडरी

माता मनसा देवी मंदिर फतेहपुर में शनिवार को पूंडरी से नवनियुक्त नपा चेयरपर्सन बबली गोस्वामी ने मां के चरणों में शीश झुकाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उन्होंने चुनाव से पहले माता रानी के दरबार में विशेष पूजा-अर्चना कर अरदास लगाई थी और मनोकामना पूर्ण होने पर मां भगवती का धन्यवाद किया। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और माहौल भक्तिमय हो गया। चेयरपर्सन बबली गोस्वामी ने कहा कि माता मनसा देवी की कृपा से मुझे समाज की सेवा का अवसर मिला है। मैं हमेशा पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ जनता की भलाई के लिए कार्य करूंगी। उनकी प्राथमिकता समाज को आगे बढ़ाने और लोगों की समस्याओं का समाधान निकालने की रहेगी।

सूचना

मैं, आर्मी नंबर 15348432X Rank HAV राजेश कुमार पुत्र श्री प्रेम चंद निवासी गांव खरक रामजी, तहसील व जिला जींद बयान करता हूं कि मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरी धर्मपत्नी का नाम रितू लिखा गया है व मेरी पत्नी की जन्म तिथि 22.10.1984 लिखी हुई। जबकि मेरी धर्मपत्नी का सही नाम रितू देवी व सही जन्म तिथि 22.08.1984 है। मैं अपनी धर्मपत्नी का अपने आर्मी रिकार्ड में सही नाम रितू देवी व जन्म तिथि 22.08.1984 दर्ज करवाना चाहता हूं।

खबर संक्षेप

मुफ्त स्वास्थ्य शिविर तेरापंथ भवन में आज

जींद। तेरापंथ जैन भवन में उचाना अनाज मंडी में 16 मार्च को मुफ्त हेल्थ कैंप लगाया जाएगा। डा. अनिल जैन की टीम द्वारा लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। प्रधान रामनिवास जैन बताया कि शिविर में बीपी, शुगर, दिल की धड़कन सहित अन्य चेकअप किए जाएंगे। उन्हें शुगर है या नहीं जांच करवाने से शुगर की पहली अवस्था में ही मरीज को सावधान किया जा सकता है। अपनी जीवन शैली में परिवर्तन करेंए सुबह की सैर के अलावा शुगर बढ़ाने वाली चीजों का परहेज करें।

महाराजा अग्रसेन मंदिर में रक्तदान शिविर आज

जींद। महाराजा अग्रसेन मंदिर में 16 मार्च को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। कार्यक्र में एसडीएम हांसी डॉ. राजेश खोथ पहुंचेंगे। अध्यक्षता नायब तहसीलदार सुरेश कुमार करेंगे। शिविर लाइफ केयर ब्लड सैंटर राज अस्पताल ने आयोजित किया।

बाइक की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल

कैथल। गांव पाई में बाइक की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव पाई के रोहित कुमार ने बताया कि 10 मार्च को रात करीब 8:30 बजे गांव से गुजर रहा था तो एक अज्ञात बाइक चालक ने उसे चपेट में लेकर घायल कर दिया।

मारपीट की दो घटनाओं में सात घायल

कैथल। जिले में हुई मारपीट की दो घटनाओं में सात युवक घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। कैथल गेट पूंडरी के हर्ष ने बताया कि कि वह अपने दोस्त मनीष, मनीजीत , राजपाल व दो अन्य के साथ बातचीत कर रहे थे। मनीष उर्फ पोला , महेश उर्फ मेशी , विक्रम उर्फ बिम्मा , सागर, निसान्त, गौरव ,रजत बनिया न दिपान्शु निवासी फतेहपुर अपने 3-4 अन्य साथियो के साथ उन पर डंडाके व तलवारों से हमला कर घायल कर दिया।

होली के बाद अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़, अव्यवस्थाओं का आलम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रंगों के त्योहार होली पर्व पर छुट्टी के बाद शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल जैसे ही खुला तो मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पर्ची काउंटर, ओपीडी, इमरजेंसी तक तक मरीजों और तीमारदारों के बीच धक्का-मुक्की होती रही। अस्पताल का कोई ऐसा कोना नहीं था जहां मरीजों व उनके तिमारदारों की भीड़ न हो। सबसे ज्यादा भीड़ ओपीडी काउंटर पर रही और लगभग साढ़े 12 बजे तक लोग यहां लंबी लाइनों में लगे रहे। मरीजों की भीड़ को देखते हुए अस्पताल प्रशासन द्वारा भी कोई पुख्ता प्रबंध नही किए गए थे। जिसके चलते उपचार के लिए आए मरीज अस्पताल प्रशासन को कोसते हुए नजर आए। पहले मरीज ओपीडी पर्ची के लिए लाइन में लगे। फिर चिकित्सकों के कमरे के बाहर धक्का-मुक्की हुई। जिन्हें टैस्ट लिखे गए तो वो लैब में लाइनों में लगे और जिन्हें दवा लिखी गई उन्हें दवा खिड़की पर परेशानी उठानी पड़ी। होली के बाद शनिवार को अस्पताल में आम दिनों की तरह ही स्वास्थ्यकर्मी व स्टाफ काम के लिए पहुंचे लेकिन जिला अस्पताल में ओपीडी पर्ची बनाने से लेकर डाक्टरों के चैंबरों के बाहर मरीजों की लंबी कतार दिखी। भीड़ इस कदर थी कि ओपीडी का समय खत्म होने के बावजूद डाक्टर मरीज को देखते रहे। शनिवार को आमदिनों की अपेक्षा ओपीडी में मरीजों की संख्या भी दोगुनी रही। कुल 1678 की ओपीडी रही। हालांकि ऐसा अक्सर सोमवार को ही होता है। अपने बेटे को लेकर आई रवीना ने बताया कि पहले तो पर्ची बनवाने में ही उसे आधा घंटा लग गया। जैसे ही पर्ची मिली तो वह डॉक्टर के कमरे के बाहर लाइन में लग गई। फिर दवा के लिए लाइन में लगी।

खास बातें

- ओपीडी पर्ची और फिर दवा लेने के लिए घंटों लाइन में लगे रहे लोग
- व्यवस्था के चलते अस्पताल प्रशासन के खिलाफ रोष

यहां-यहां देखी गई अधिक भीड़

दवा खिड़की पर सबसे ज्यादा लोगों को परेशानी हुई। यहां दवा लेने में ही लोगों को आधा-आधा घंटा लग गया। इसके अलावा सबसे ज्यादा भीड़ जनरल ओपीडी, ईएनटी, बाल रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, आर्थो सर्जन के कमरों के बाहर रही। इसी तरह दवा वितरण कक्ष और इंजेक्शन कक्ष के बाहर भी मरीज लाइन में अपनी बारी का इंतजार करते देखे।

अव्यवस्था नहीं होने दी गई : डॉ. भोला

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि होली के बाद गुरूवार को आम दिनों की अपेक्षा ओपीडी में मरीजों की संख्या बहुत अधिक रही है। कहीं भी अव्यवस्था जैसी बात नहीं रही है। प्रयास किया गया है कि सभी मरीजों को उपचार व दवा मिले।

बरसात के साथ 'सफेद आफत' किसानों की बढ़ने लगी चिंता

फसलें पकाव के पास, बारिश और ओलावृष्टि ने पहुंचाया नुकसान, तापमान में गिरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में बीती रात बारिश के साथ हुई बारिश तथा ओलावृष्टि ने किसानों के माथा पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। इस समय गेहूं फसल पकाव की तरफ है और किसान लगातार अच्छी फसल को लेकर काम कर रहे हैं। ऐसे में जींद तथा आसपास क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि ने किसानों की परेशानी को बढ़ा दिया है। जिला में सबसे अधिक बारिश नरवाना में 10 एमएम हुई है। उचाना, पिल्लूखेड़ा में चार एमएम, अलेवा व सफीदों में दो एमएम, जींद में एक एमएम बारिश दर्ज की गई है। जबकि जुलाना में बूंदाबांदी हुई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री तथा न्यूतम तापमान 14 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 56 प्रतिशत तथा हवा की गति 13 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई।

बरसात से प्रभावित हुई गेहूं और दूसरी फसलें

राजौंद। शुक्रवार रात को हुई बे मौसमी बरसात, ओलावृष्टि व तेज हवाओं ने किसानों के मनसूबों पर पानी फेर दिया है। मौसम में चल रही उठा पटक को देखते हुए किसानों को अपनी फसलों की चिंता सताने लगी है कि कही मौसम की करवट के साथ उनकी फसलें किसी प्रकार की आपदा का शिकार ने हो जाएं। छह महीने की खून पसीने की मेहनत बर्बाद न हो जाए। गुरनाम, सतपाल, रामनिवास, धर्मबीर, राधे श्याम, राजकुमार, सुंदर, रामपाल, अवतार सिंह, लाड़ी ने कहा कि कुछ दिन पूर्व ही सिंचाई की थी, अब बरसात से नुकसान हुआ है।

ओलावृष्टि से अटकी किसानों की सांसें परिवर्तनशील रहेगा मौसम

रात को गरज चमक के साथ तेज बारिश तथा ओलावृष्टि भी हुई। जिससे कुछ गांव में फसलों तथा सब्जियों की फसल को नुकसान पहुंचा। जींद क्षेत्र में लगातार दस मिनट तक ओलावृष्टि रही और किसानों की सांसें अटकी रही। तेज हवा के चलते कुछ स्थानों पर फसलें पसर गई। किसानों को कहना है कि सरसों को ज्यादा नुकसान हुआ है। गेहूं में बालियां आ रही हैं और दाना बन रहा है। ऐसे में ओलावृष्टि के कारण उनकी फसलों को काफी नुकसान हुआ है। वहीं रात को बारिश तथा ओलावृष्टि के बाद शनिवार को सूर्य देवता ने आसमान से दर्शन दिए। जिसके चलते पूरा दिन धूप खिली रही। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते ओलावृष्टि हुई है। मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। फिलहाल किसान लगातार खेतों का निरीक्षण करते रहें।

ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा दे 22 लाख ठगे

- 20 दिन में दिया धोखाधड़ी की घटना को अंजाम
- एक महीना ट्रेडिंग संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम दिखाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

साइबर ठगों ने जींद के एक व्यापारी से करीब 20 दिनों में 21 लाख 88 हजार रुपये की ठगी कर दी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायत के अनुसार भिवानी रोड स्थित लक्ष्मी नगर निवासी सुमित गर्ग की रोहतक रोड पर गर्ग ऑटो मोबाइल के नाम से दुकान है। 18 जनवरी को 23 कैपिटल फ्रेंजी के नाम से एक व्हाट्सअप ग्रुप में जुडऩे की ग्रुप इनवाइट रिक्वेस्ट आई। इस रिक्वेस्ट पर वह ग्रुप में जुड़ गया। उनके ट्रेडिंग से संबंधित ट्रेनिंग कार्यक्रम देखने लगा। 20 फरवरी तक उसने उनके प्रशिक्षण कार्यक्रमों को देखा। इसी दिन ग्लैड अरब नाम से एक एप का लिंक भेजा गया और कहा गया कि इस पर अपना खाता बना लो। उसने एप पर अपना खाता खोल लिया और ट्रेडिंग के लिए जरूरी बताए गए 50 हजार रुपये उसने लगा दिए। इसके बाद उसने 10 मार्च तक अलग-अलग समय में कुल मिला कर 21 लाख 88 हजार रुपये इस बैंक खातों में डाले। जब वह 11 मार्च को अपने खाते से पैसे निकालने लगा तो उसे कैपिटल गैन टैक्स की डिमांड की गई और कहा गया कि यह पैसा जमा करोगे तभी आप अपने पैसे निकल पाओगे। उसे शक होने लगा। पता किया तो उसे पता चला कि उसकी कोई भी ट्रांजेक्शन आयकर विभाग के रिकार्ड पर नही है। फिर जब इन लोगों से बात की तो उन्होंने ग्लैड अरब पर उसके खाते को बंद कर दिया और उसे सभी ग्रुप में ब्लॉक कर दिया। साइबर थाना पुलिस ने सुमित गर्ग की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्ड धारकों ने मौसम में बदलाव का दिया हवाला

सरकार से गेहूं के साथ दिया जा रहा बाजरा बंद करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राशन डिपू में गेहूं के साथ दिए जाने वाले बाजरा की सप्लाई को बंद करने की मांग उपभोक्ताओं सरकार से की। शकुंतला, गुड्डी, मीना, कमलेश, कृष्णा ने कहा कि सरकार द्वारा नवंबर माह से गेहूं के साथ बाजरा दिया जाता है। पीला राशन कार्ड धारक को प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज दिया जाता है। नंवबर माह से तीनों बाजरा, दो किलो गेहूं दी जाती है।

अब मौसम में बदलाव हो चुका है। बाजरा सर्दी के मौसम में खाया जाता है। ऐसे में अब जो बाजरा जो गेहूं के साथ दिया जाता रहा है उसकी जगह पांच किलों गेहूं दी जाए। गुलाबी राशन कार्ड धारक 11 किलो गेहूं एवं 24 किलो बाजरा दिया जाता है। उपभोक्ताओं ने कहा कि बाजरा सिर्फ नवंबर माह से जनवरी माह तक ही दिया जाए। इस समय बाजरा जो दिया जा रहा है उसको उपभोक्ता लेना नहीं चाहते है। ऐसे में गेहूं की गुलाबीए पीले राशन कार्ड धारकों को दिया जाए। अब लोगों को मजबूरी में बाजरा से महंगा आटा या गेहूं खरीदना पड़ रहा है। क्योंकि बाजरा सिर्फ सर्दी के मौसम में खाया जा सकता है। अब गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है तथा बाजरा नहीं खाया जाएगा।

जींद। राशन डिपो के बाहर एकत्रित उपभोक्ता।

उचाना में सरसों की खरीद हुई शुरू

जींद। उचाना में सरसों की खरीद को लेकर हैफेड एवं मार्केट कमेटी द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए। सरकारी खरीद शुरू होने के दिन कोई भी किसान अपनी सरसों की फसल लेकर मंडी नहीं आया। सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा 15 मार्च से सरसों की खरीद शुरू करने की घोषणा की थी। मार्केट कमेटी सचिव योगेश गुप्ता ने कहा कि खरीद की शुरूआत के पहले दिन कोई किसान फसल लेकर मंडी नहीं आया। सभी किसानों से आह्वान है कि वो अपनी सरसों की फसल को साफ, सूखी लेकर मंडी आए ताकि उनकी फसल मंडी में आते ही बिके। एक एकड़ की आठ क्विंटल सरसों की खरीद की जाएगी। सरसों में नमी आठ प्रतिशत तक होनी चाहिए। किसान अपनी फसल को मंडी में वेरीफाई करवा कर लाए।

महाभारत का मंदिर, पहुंचे शंकराचार्य

चाय पर तो चर्चा हुई लेकिन गाय पर चर्चा बंद कर दी : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

कहा : गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

जोशीमठ उत्तराखंड के ज्योतिष्पीठाधीश्वर के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती महाराज नगर के महाभारतकालीन नागक्षेत्र मंदिर पहुंचे। शंकराचार्य को पालकी के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर लाया गया। पालकी के आगे-आगे महिलाएं सिर में कलश लेकर तथा विद्वान ब्राह्मण शंख ध्वनि के बीच वैदिक मंत्रोचारण करते हुए चल रहे थे। जगद्गुरू शंकराचार्य सम्मान समिति सफीदों के संयोजक रामगोपाल अग्रवाल ने जगद्गुरू शंकराचार्य का स्वागत व अभिनंदन किया। वहीं श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु शंकराचार्य पादुका पूजन किया। शंकराचार्य ने कहा कि बड़े ही दुर्भाग्य का विषय है कि देश में चाय पर तो चर्चा हुई लेकिन गाय पर चर्चा बंद कर दी गई। जब से वे शंकराचार्य के पद पर आसीन हुए हैं तब से ही वे देश के माथे से गऊ हत्या का कलंक हटाने और सोए हुए हिंदुओं को जगाने के लिए देशभर में निकले हुए हैं। गोहत्या को बंद करवाने को उन्होंने अपने आप को पूरी तरह से झोंक रखा है। जैसे-जैसे वे इस दिशा में बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे उनके ऊपर कई प्रकार से खतरे बढ़ते चले जा रहे हैं। लोग उन्हे कई उदाहरण देकर चेता भी रहे हैं लेकिन वे हर प्रकार के खतरे को साईड में रखकर गौमाता को उसका सम्मान दिलाने के लिए काम कर रहे हैं। जब तक उनके तन में प्राण तब तक वे गऊ व सनातन की रक्षा में लगे रहेंगे। उन्होंने कहा कि गौसेवा और संरक्षण को लेकर देश के राजनीतिक पार्टियों की कथनी व करनी में भारी अंतर है। ऊपर से तो पार्टियां अनेक प्रकार से गौसेवा का दिखावा करती हैं लेकिन धरातल पर कुछ नहीं है। देश में गौवंश को काटकर उनका मांस बेचा जा रहा है। सभी पार्टियां नागनाथ व सांपनाथ के समान हैं।

जींद। सफीदों के महाभारतकालीन नागक्षेत्र मंदिर हॉल में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती महाराज।

पहली अस्मीत हॉकी लीग में हुए रोचक मुकाबलें

नरवाना। हॉकी इंडिया की तरफ से आयोजित पहली अस्मीत हॉकी लीग 2024.25 का आयोजन 13 से 19 मार्च तक नवदीप स्टेडियम नरवाना में हो रहा है। डॉ. संदीप गोयत व रविन्द्र श्योकंद ने बताया कि यह प्रतियोगिता जूनियर व सब.जूनियर वर्ग में आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा की बेस्ट 8.8 टीमों के बीच यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। आज सब.जूनियर वर्ग का पहला मैच करनाल व सिरसा के बीच हुआ जिसमें सिरसा ने करनाल को 5.1 से हराया। दूसरा मैच हिसार व कुरुक्षेत्र के बीच हुआ जिसमें हिसार ने कुरुक्षेत्र को 5.0 से हराया। जिला हॉकी सचिव रणदेव गोयत ने बताया कि जूनियर वर्ग का मैच जींद व रोहतक के बीच खेला जाएगा। इस मैच में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में देर शाम को शिरकत करेंगे। इस अवसर पर हरियाणा के गोल्डन कोच प्रो0 आजाद मलिकए रोहताश शर्मा पीटीआईए मंजीत गोयतए प्रवीण नैनए अनिल नैनए प्रदीप मोर अनिल मोरआदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

पर्व महोत्सव जिलेभर में धूमधाम से मना दुलेहंडी पर्व और डीजे की धुनों पर थिरके युवा

जींद शहर में पटियाला चौक, गांधी नगर और अर्बन एस्टेट में लगे होम थियेटर

उत्साह और उमंग का पर्व, दिनभर भाभियों ने देवरों पर बरसाएं कोरड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गुलाल के बहाने प्यार को बढ़ावा देने वाला तथा अधर्म पर धर्म की जीत का दुलेहंडी पर्व शुक्रवार को जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। फॉग पर्व पर मारपीट की घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो त्योहार शांतिपूर्ण रहा। हालांकि शांतिपूर्वक तरीके से मने, इसके लिए पुलिस पीसीआर शहर के साथ-साथ क्षेत्रभर में गश्त करती नजर आई। दिनभर लोग एक दूसरे पर रंग-गुलाल-अबीर डाल कर मस्ती में डूबे रहे। भाभियों ने भी देवरों पर जमकर कोरड़े बरसाए। वहीं, देवरों ने भाभियों पर जम कर पानी तथा गुलाल उड़ेला। शुक्रवार को दुलेहंडी के समय जगह-जगह देवर भाभियों के बीच कोरड़े बरसने के नजारे देखने को मिले। जहां कोरड़ों के डर से देवर छिपते घूम रहे थे तो भाभियां उन्हें तलाश रही थी। वहीं, लोग टोलियां बना कर एक दूसरे के ऊपर रंग गुलाल डाल कर होली की शुभकामनाएं दे रहे थे। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया वैसे-वैसे मौसम सुहावना होता गया जिसका लोगों ने जमकर आनंद उठाया। युवकों की टोलियां एक स्थान से दूसरे स्थान घूम-घूम कर फाग खेलती रही यह क्रम देर शाम तक जारी रहा। अर्बन एस्टेट, पटियाला चौक, गांधी नगर में सुबह से ही लोगों ने होम थिएटर लगा दिए थे। जिन पर लोग फिल्मी धुनों पर थिरक कर इस त्यौहार का मजा लेते देखे गए। कुछ लोगों ने मंदिरों में जाकर शिव भगवान की पूजा-अर्चना की। शहरी इलाके में यह पर्व जहां हर्षोल्लास के साथ मना, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व कालोगों ने जम कर लुत्फ उठाया। शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में गुलाल का कम प्रयोग गली के कीचड़ का प्रयोग ज्यादा हो रहा था। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने कहा कि यह पर्व प्राचीन काल से मनाया जाता रहा है

जींद। होली खेलते हुए लोग व देवर पर कोरड़े बरसाती हुई भाभी।

जमकर थिरके युवा

शहरभर में जगह-जगह सुबह से ही लोगों ने बड़े स्पीकर लगा दिए थे। जिन पर सारा दिन लोग फिल्मी धुनों पर थिरक कर इस त्यौहार का मजा लेते देखे गए। कुछ लोगों ने मंदिरों में जाकर शिव भगवान की पूजा-अर्चना की। त्योहार को देखते हुए ग्रामीण महिलाओं ने सुबह ही अपना काम निपटा लिया था और फिर होली खेली।

ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा, 28 लाख ठगे

- ढांड पुलिस ने दर्ज किया केस

कैथल। ढांड पुलिस ने ऑस्ट्रेलिया भिजवाने के नाम पर एक युवक से 288600 की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस संबंध में गांव डडवाना के सुनील ने ढांड पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह कुरुक्षेत्र के जितेंद्र कुमार के साथ जान पहचान थी। जितेंद्र कुमार ने उसे कहा कि वह युवाओं को विदेश भेज कर वहां पर सेटल करवाने का काम करता है। जितेंद्र कुमार ने उसे ऑस्ट्रेलिया में भेजने के लिए 18 लाख रुपए की बातचीत की। वह उसकी बातों में आ गया तथा आरोपी के अनुसार उसने अलग-अलग तिथियां में अपने दस्तावेज तथा 288000 दे दिए। आरोपी उसे बार-बार वीजा लगवाने की बात कहता रहा लेकिन जब काफी समय के बावजूद उसका वीजा नहीं लगा तो उसने अपने रुपए वापस देने की मांग की। आरोपी ने राशि देने से साफ इनकार कर दिया तथा जान से मरवाने की धमकी भी दी। इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आज के दौर में अकसर देखा जाता है कि अधिकतर युवा आपस में बातचीत के दौरान भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हैं। वे अपनी पर्सनालिटी को बिंदास दिखाने के लिए प्राय: ऐसा करते हैं। सच्चाई यह है कि इससे न केवल उनकी सोशल इमेज बिगड़ती है, वर्कप्लेस पर आगे बढ़ने की राह में भी ऐसी भाषा रुकावटें पैदा करती है। इसलिए संवाद के दौरान सजग रहना जरूरी है।

आपसी संवाद की भाषा हो मर्यादित-सकारात्मक-मधुर

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

वर्चुअल दुनिया में परोसे गए कंटेंट की अमर्यादित भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच हर किसी के लिए सभ्य शब्दों का महत्व समझना आवश्यक है। आभासी संसार से कहीं ज्यादा, असली दुनिया में सधी संतुलित अभिव्यक्ति जरूरी है। खासकर कूल बनने और कमाल का व्यक्तित्व हो जाने की भूल-भुलैया के इस दौर में युवाओं को यह बात समझनी ही होगी। जरूरी है कि अपने वर्कप्लेस पर भी शब्दों की सभ्यता का दामन थामे रहें। सधी छवि और सफल भविष्य के लिए वर्कप्लेस पर सभ्य भाषा बहुत मायने रखती है।

शब्दों से जुड़ा सम्मान

काम-काजी संसार में किसी भी तरह के लिखित या मौखिक बातचीत में असभ्य शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में न तो असभ्य शब्द लिखें और न ही बोलें। ध्यान रहे कि आपके शब्दों से स्वयं का सम्मान भी जुड़ा है। यह न भूलें कि दूसरों के मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्द इस्तेमाल करने वाले खुद भी किसी से इज्जत नहीं पाते हैं। बावजूद इसके ऑफिस में भी ह्यूमर के नाम पर किसी सहकर्मी या सहायक स्टाफ की हंसी उड़ाने की गलती बहुत से लोग करते हैं। इस तरह के असामान्य और कुंठाग्रस्त व्यवहार के घेरे में आने से बचने के लिए पहले ही कदम पर सजगता जरूरी है। वरना जाने-अनजाने कुछ भी कह-सुना देने की आदत बनती जाती है। बिना सोचे-समझे मुंह से अभद्र शब्द निकलने लगते हैं। करियर को नुकसान पहुंचाने वाली यह आदत खुद आपको भी एक कुंठित व्यक्तित्व ही देती है। जोश भरे युवाओं को हर पल याद रखना चाहिए कि काम-काजी दुनिया में अनुशासित रहना बहुत आवश्यक है। अच्छी भाषा, इसी अनुशासन का हिस्सा है। अनुशासन के दायरे में रहते हुए सदा सकारात्मक ढंग से बातचीत करने की राह चुनने में ही समझदारी है। किसी के साथ भी असभ्य संवाद करने से पहले याद रखिए कि ये शब्द स्वयं आपके सम्मान से भी जुड़े हैं।

इमेज पर पड़े बुरा प्रभाव

बातचीत में इस्तेमाल होने वाले अभद्र शब्द, इंसान की बॉडी लैंग्वेज भी बिगाड़ देते हैं। बोलने वाले के हाव-भाव को भी नेगेटिव रंगत में ढाल देते हैं। शब्दों पर कंट्रोल न करना, इंसान की बॉडी लैंग्वेज को अजीबो-गरीब बना देता है। समझना मुश्किल नहीं कि ऐसी सभी बातें व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। जो सीधे-सीधे वर्कप्लेस पर आपकी इमेज बिगाड़ने वाली साबित होती हैं। वहीं सोच-समझकर बोलना, न केवल आपका फर्स्ट इंप्रेशन पॉजिटिव बनाता है बल्कि आगे भी आपकी सकारात्मक छवि को कायम रखता है। सोशल लाइफ हो या प्रोफेशनल, सोशल एटिकेट्स हमेशा मायने रखते हैं। आपको यह समझना चाहिए कि बातचीत में गलत शब्दों का चुनाव, आपको असहयोगी और अकड़ू व्यक्ति का तमगा दिलाने वाला बर्ताव साबित हो सकता है।

बेहतरी के लिए सही भाषा जरूरी

काम-काजी दुनिया में आपसे जुड़े सीनियर हों या जूनियर, सही सोच और अच्छे मैनर्स से सबका दिल जीता जा सकता है। स्पष्ट है कि इससे करियर में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है। बेहतर प्रोजेक्ट्स आपके हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं सभ्य भाषा और सधा बर्ताव कई बार आपको किसी तकलीफ में फंसने से भी बचा लेता है। सहकर्मियों के साथ किया गया मीनिंगफुल और माइंडफुल संवाद काम-काज के लिए पॉजिटिव परिवेश बनाता है, जिसके चलते लोगों का दिल जीतने के साथ-साथ कामयाबी भी आपके हिस्से आती है। मन जीतने के इन सभी मोर्चों पर अच्छी भाषा सबसे ज्यादा मायने रखती है। असल में देखा जाए तो सकारात्मक शब्दों और सभ्य बोलचाल के प्रभाव का यह सिलसिला इंटरव्यू से ही शुरू हो जाता है। बावजूद इसके युवाओं की अजीबो-गरीब भाषा शैली आज चिंता का विषय बन गई है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि आमतौर पर युवा बेझिझक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इस बर्ताव के पीछे मौजूद साइकोलॉजिकल कारण बताते हैं कि आज की युवा पीढ़ी बोलने या करने से पहले कुछ नहीं सोचती। साथ ही वे इस बात से भी प्रभावित नहीं होते कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? या उनके बोले शब्दों का किसी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सच्चाई यह है कि जीवन का कोई पक्ष, अशिष्ट शब्दों के नकारात्मक असर से नहीं बच पाता है। जरूरी है कि युवा आज के दौर में बढ़ती शाब्दिक अभद्रता की संस्कृति से बचें। दफ्तर में भावों, विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए संयत और सभ्य शब्दों का चुनाव करें। सधे व्यक्तित्व की सौगात देने वाला यह व्यवहार आपके लिए सदा ही बेहतरी के मार्ग खोलने वाला साबित होगा। *

संवाद से जुड़ा कारगर फॉर्मूला

प्रसिद्ध शोधकर्ता अल्बर्ट मेहराबियन द्वारा दिए गए 55-38-7 का फॉर्मूला बताता है कि कम्युनिकेशन 55 फीसदी नॉन वर्बल (शारीरिक भाषा यानी हाव-भाव) और 38 प्रतिशत वोकल (स्वर के द्वारा) होता है। संवाद में सिर्फ 7 फीसदी हिस्सा ही वर्बल यानी शब्दों से प्रकट होता है कि आप वास्तव में क्या कहते हैं? ऐसे में मजाक हो या प्रतिक्रिया देना, गलत शब्दों का इस्तेमाल आपकी अभिव्यक्ति की पूरी शृंखला ही बिगाड़ सकता है। इसलिए हर किसी को संवाद के दौरान अपने शब्दों के इस्तेमाल को लेकर पूरी तरह सजग रहना चाहिए।

इन दिनों आप अकसर बातचीत के दौरान अलग-अलग पीढ़ियों के लिए कुछ खास नाम सुनते होंगे, जैसे जेन एक्स, मिलेनियल, जेन जेड, बेबी बूमर्स आदि। आपके मन में सवाल उठता होगा कि आखिर ये नाम कैसे रखे जाते हैं? इनकी क्या विशेषताएं हैं? आइए, इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

एक-दूसरे से अलग-अनोखी है हर जेनरेशन की कहानी

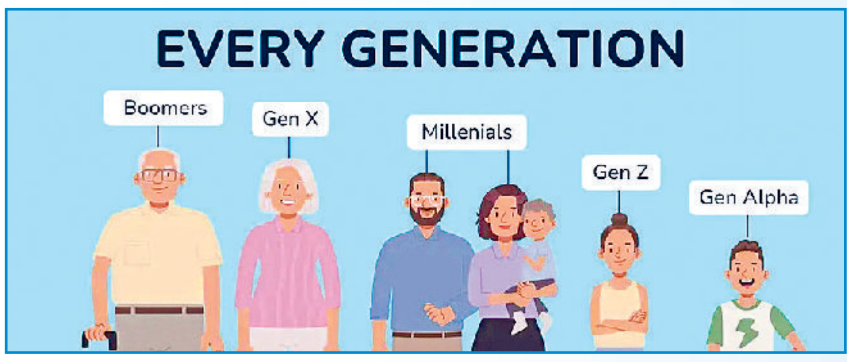

सोशल ट्रेंड
शिखर चंद जैन

एक समय तक आम चलन में नई और पुरानी पीढ़ी का ही जिक्र किया जाता रहा है। लेकिन अब अलग-अलग पीढ़ी को अलग नामों से भी जाना जाता है। इनका चलन हाल के सालों में तेजी से बढ़ा है।

कैसे तय होता है पीढ़ियों का नाम: पीढ़ियों का नाम तय करना, श्रमसाध्य, विचारपरक और कई चीजों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। यह एकेडमिक अनुसंधान, मीडिया के प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव पर निर्भर करता है। जनसांख्यिक और समाजशास्त्री जनसंख्या सर्वेक्षणों, जन्म दरों और सामाजिक परिवर्तनों की पहचान के आधार पर ये नामकरण करते हैं। हां, इसे लोकप्रिय और प्रचलित करने का काम मीडिया का होता है।

नया ट्रेंड है पीढ़ियों का नामकरण: पीढ़ियों के नामकरण और श्रेणीबद्ध करने की परंपरा बहुत पुरानी नहीं है। 20वीं सदी की शुरुआत में इसका चलन शुरू हुआ है। इस वक्त जनसांख्यिकों और समाजशास्त्रियों ने जनसंख्या का विश्लेषण और सामाजिक बदलाव को दर्ज करना शुरू कर दिया था। पीढ़ियों के नाम महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं, विभिन्न आयु वर्ग की आदतों और समय विशेष पर आधारित होने लगे। अब आपको बताते हैं, अब तक की अलग-अलग पीढ़ियों के नामकरण के बारे में।

बेबी बूमर्स: वर्ष 1946 से 1964 के बीच जन्मे बच्चों को बेबी बूमर्स कहा गया। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक बेबी बूम आया था, जब दुनिया में जन्म दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस पीढ़ी ने 60 के दशक के बड़े सामाजिक परिवर्तन देखे। इसी दौरान कार्पोरेट जगत का उदय हुआ और और लोगों की जीवनशैली पर इस संस्कृति का खासा प्रभाव पड़ा। उस दौर के लोग आज सीनियर सिटिजन हो चुके हैं।

जेनरेशन एक्स: 1965 से 1980 के बीच जन्मे बच्चे, जेनरेशन एक्स कहलाते हैं। इस दरमियान समाज में कोई उल्लेखनीय और व्यापक परिवर्तन नहीं हुए। यद्यपि उस पीढ़ी के बच्चों ने पर्सनल कंप्यूटर का उद्भव होते देखा है। उस दौर के लोग अब मिड एज क्रॉस कर ओल्ड एज की ओर बढ़ रहे हैं।

मिलेनियल/जेन वाई: 1981 से 1996 के बीच जन्मे बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। उस पीढ़ी के लोगों ने 'मी जेनरेशन' या 'ईको बूमर्स' भी कहा जाता है। उस पीढ़ी को अपने में ही डूबे रहने, एकलवाद, डिजिटल टेक्नोलॉजी की जानकार और आर्थिक रूप से संपन्न माना गया। ये पीढ़ी मैटीरियल पजेजन से ज्यादा एक्सपीरियंस को महत्व देती थी।

जेनरेशन जेड: 1990 के मध्य से 2010 तक के दशक की शुरुआत तक जन्मी पीढ़ी को जेन जेड कहा जाता है। इस पीढ़ी को इसकी ग्लोबल कनेक्टिविटी और एंटरप्रेन्योरल स्पिरिट के लिए जाना जाता है। इन्हें कहीं-कहीं आई जेनरेशन और डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। इस पीढ़ी के बच्चे स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सूचनाओं के त्वरित ग्रहण और उसे दूसरों तक प्रसारित करने के लिए जाने जाते हैं। ये पीढ़ी अभी युवावस्था से गुजर रही है।

जेनरेशन अल्फा: 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे जेनरेशन अल्फा के बच्चे कहलाते हैं। अल्फा 21वीं सदी की पहली पीढ़ी कही जा सकती है। यह पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड रियलिटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साए में जन्मी, पली और बड़ी हुई है। उनकी शिक्षा, खेलकूद, एंटरटेनमेंट सब कुछ टेक्नोलॉजी से अत्यधिक प्रभावित है। यह पीढ़ी अभी टीनएज से गुजर रही है। इसके बाद इसी साल एक जनवरी 2025 के बाद से जन्म लेने वाली पीढ़ी को जेन बीटा का मेंबर माना जा रहा है। इनके जीवन के हर पक्ष में तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव दिखेगा।

एक पीढ़ी के गुणों में समानता: यह एक जटिल प्रश्न है कि क्या दुनिया भर में जन्मे एक पीढ़ी के लोगों में समानता होती है? यह काफी कुछ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली घटनाओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वातावरण एवं सामाजिक ढांचे पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट युग में जन्मी ग्लोबल युवा पीढ़ी के बहुत सारे गुण और आदतें लगभग एक समान होते हैं। *

क्या है सैंडविच पीढ़ी

सैंडविच पीढ़ी का अर्थ मध्यम आयु वर्ग यानी 45 से 55 वर्ष के इर्द-गिर्द के व्यक्तियों से है। इन पर अपने बुर्जुग माता-पिता और युवा बच्चों दोनों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी है। सैंडविच पीढ़ी का नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि वे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के दायित्व और किशोरावस्था से युवा होते बच्चों की नई-नई फरमाइशों और चाहतों के बीच 'सैंडविच' जैसी स्थिति में होते हैं। ये कम ऊर्जावान, थके-थके से या बीमारियों से जूझने वाले हो सकते हैं। विभिन्न कार्य करने में असमर्थ हो सकते हैं या इनका वित्तीय रुप से अकसर हाथ तंग हो सकता है। इन्हें इस उलझन से गुजरना पड़ता है कि मां-बाप के लिए दवा और तीर्थाटन की व्यवस्था करें या बच्चों को महंगे गैजेट्स और ब्रांडेड कपड़े खरीदकर दें।

छोटी कहानी
सुनील कुमार महला

शर्मिंदा

ऑटो रिक्शा में अनिल के बगल में आकर वह व्यक्ति जैसे ही बैठा, उसने अपना एक हाथ अनिल के बैग पर रख दिया। अनिल ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन उस आदमी ने हाथ रखने की जो वजह बताई, अनिल खुद पर शर्मिंदा हो गया।

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा अनिल, बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था। तभी एक ऑटो रिक्शा वाला तीस रुपए में बस स्टैंड जाने के लिए तैयार हो गया। अनिल ने अपने दो भारी-भरकम बैग ऑटो रिक्शा में रखे और स्वयं भी उसमें सवार हो गया। ऑटो रिक्शा में अनिल अकेला ही बैठा था। जब कोई अन्य सवारी ऑटो में बैठने नहीं आई तो उसने अपने एक बैग को ऑटो रिक्शा की सीट पर ही रख दिया, ताकि पैरों के पास सामान रखने से उसे ऑटो रिक्शा में बैठने में कोई दिक्कत-परेशानी न हो। शाम का समय था, ठंडी हवाएं चल रही थीं, इसलिए अनिल ने अपने चेहरे को मफलर से ढंक रखा था। ऑटो रिक्शा वाला अभी एक अन्य सवारी के इंतजार में था। थोड़ी देर में एक लंबा व्यक्ति, जो कंबल ओढ़े हुआ था, बस स्टैंड जाने के लिए उसी ऑटो रिक्शा के पास आया। ऑटो रिक्शा वाले ने उस व्यक्ति को भी ऑटो में बिठाया। वह लंबा व्यक्ति ऑटो रिक्शा में उस साइड में बैठ गया, जिधर सीट पर अनिल का सामान से भरा हुआ भारी-भरकम बैग रखा हुआ था। ऑटो रिक्शा में सवार होते ही कंबल ओढ़े हुए उस व्यक्ति ने अपना दायां हाथ बैग के ऊपर रख दिया और संभल कर बैठ गया। ऑटो रिक्शा वाला गंतव्य की ओर चल पड़ा। तभी अनिल ने ऑटो रिक्शा में बैठे उस व्यक्ति की ओर देखते हुए थोड़ा गुस्से में कहा, 'भाई साहब! जरा ध्यान से बैठें और हां, बैग को इतना दबाव देते हुए न पकड़ें। दरअसल, बैग में बच्चों के लिए कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है और आपके हाथ के दबाव से इसमें रखा सामान टूट सकता है।'

कंबल ओढ़े हुए वह व्यक्ति अनिल की बात सुनकर एकदम से सकपका गया, उसने अनिल से कहा, 'अरे भाई साहब मुझसे गलती हो गई! मुझे नहीं पता था कि इसमें आपका कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है। दरअसल, वो क्या है कि मेरा एक ही हाथ है न! ऑटो रिक्शा जब ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेजी से चलता है, तब एकदम से ऑटो रिक्शा में अपना बैलेंस बनाना मुश्किल होता है इसलिए, थोड़ा सहारा लेने के लिए, भूलवश मैंने आपके सामान से भरे बैग पर अपना हाथ रख दिया। इसके लिए मुझे माफ कर दीजिए, मैं बहुत शर्मिंदा हूं।' उस व्यक्ति की ये बातें सुनकर अनिल उसे एकटक देखता ही रह गया। दरअसल, अनिल ने कंबल ओढ़े व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में बैठते समय एकबारगी देखा जरूर था, लेकिन उस व्यक्ति के कंबल ओढ़े रहने के कारण सुनील को इस बात का अहसास ही नहीं हुआ था कि जो व्यक्ति ऑटो में उसके साथ बैठा था, उसके एक ही हाथ है। अनिल अब अपने रूखे बर्ताव पर मन ही मन शर्मिंदा महसूस कर रहा था। *

गजल
अब्दुल कलाम

हम अमर होते

सुबह शाम उनकी नजर होते
आइना काश हम अगर होते

तुरबतें अपनी भी बाकमाल होती
हम जो मीर, गालिब या जफर होते

खत में पता ही गलत था वरना
गए हम भी उनके शहर होते

बैठ जाते घनी छांव में थक कर
हमारे जीवन का जो तुम शजर होते

तुम्हारी याद में जीते और याद में
मर कर भी हम अमर होते

तुमने देखा ही नहीं उस रोज का अखबार
वरना हमारे हाल से तुम बाखबर होते

लघुकथा
गोविंद भारद्वाज

बदलते हुए मायने

अपने बेटे के लिए सोनाक्षी को देखने आईं सावित्री ने कहा, 'आपकी बेटी सोनाक्षी हमें बहुत पसंद है, बस अब आपकी हां की जरूरत है।'

'हमारी तो हां है बहन जी... इसलिए तो आपको लड़की दिखाने के लिए बुलाया है।' पार्वती ने खुश होकर जवाब दिया।

'तो देर किस बात की है... मुंह मीठा कराइए...' सावित्री ने तपाक से कहा।

इस पर पार्वती ने विनम्रता से कहा, 'बहनजी रिश्ता पक्का करने से पहले दान-दहेज की भी खुल के बात कर लें तो ठीक रहेगा... ताकि आगे चलकर संबंधों में कोई खटास न आए।'

'बात तो आप ठीक कह रही हैं। इस बारे में मेरी राय यह है कि दहेज से तो हमें सख्त नफरत है... हां रही दान की बात, आप जितना भी देंगे अपनी इकलौती बिटिया को देंगे... इससे हमें कोई ऐतराज नहीं होगा।' सावित्री ने अपने मन की बात कही।

इस पर सोनाक्षी के पिताजी ने अपनी धर्मपत्नी पार्वती को दूसरे कमरे में बुलाया और उनसे धीरे से कहा, 'देखा पार्वती... कितनी चालाक हैं ये... दहेज से नफरत है और दान से नहीं... बातों-बातों में शब्दों के हेर-फेर से दहेज लेने की बात भी कह दी।'

पार्वती बोली, 'तुम ठीक कह रहे हो सोनाक्षी के पापा... मायने में तो दान और दहेज कोई अलग-अलग शब्द नहीं हैं।'

'क्या बातचीत हो रही है हमारे समधी-समधन में...' सावित्री ने उन्हें फुसफुसाते देखकर बाहर वाले कमरे से पूछा।

'कुछ नहीं बस, हम दुनिया के बदलते हुए मायने पर विचार कर रहे थे।' पार्वती ने जवाब दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मोहब्बत की दास्तानें

सारी दुनिया में मोहब्बत पर अब तक असंख्य कहानियां लिखी जा चुकी हैं। लेकिन यह ऐसा एहसास है, जिसे हर कोई अपनी तरह से महसूसता है, उसे बयां करता है। यह एहसास, वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय द्वारा लिखी गई पंद्रह प्रेम कहानियों के संकलन 'मितऊ' की कहानियों से गुजरते हुए और पुख्ता होता है। इन कहानियों में अलग-अलग उम्र और परिवेश के पुरुष और स्त्री के बीच पनपे प्यार के जज्बातों को पूरी संजीदगी से व्यक्त किया गया है। संग्रह की 'विकल्प' कहानी को अगर छोड़ दिया जाए तो अधिकतर में प्यार अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाता है। या कहें, सभी में अलग-अलग भावभूमि और जीवन-परिस्थितियों के आगे विवश, प्रेमी युगल विरह की टीस के साथ एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं। इन कहानियों की विशेषता यह भी है कि इनके नायक-नायिकाओं में कहीं भी देहासक्ति नजर नहीं आती है, प्रेम की पवित्र भावना की गरिमा बनाए रखना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे कई कहानियों में देख सकते हैं। फिर वो चाहे 'मेज नंबर सात' का लाइब्रेरियन हो या 'चौथे पहर का विरह गीत' का पत्रकार, प्रेम की मर्यादा को कभी नहीं लांघते हैं। यही इन कहानियों की खूबसूरती भी है, जो इन्हें बेहद पठनीय बना देती है। *

पुस्तक: मितऊ (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात का दुबई शहर, पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और आधुनिक सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए शहर की व्यवस्थित प्लानिंग, प्रशासनतंत्र और स्थानीय लोगों का सामूहिक योगदान है। कुछ समय से दुबई में रह रहे लेखक ने वहां की खासियतों को स्वयं अनुभव किया है। उसी को बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

आधुनिकता-विविधता को समेटे शानदार-खूबसूरत शहर दुबई

बेमिसाल
जोगिंदर रोहिल्ला

दुनिया के कई देशों में रहने और काम करने का अनुभव मुझे मिलता रहा है। फिलहाल दुबई में हूं। इस शहर की कई विशेषताएं ऐसी हैं, जो इसे दुनिया भर से अलग बनाती है। यह शहर आधुनिकता, विविधता और स्वच्छता का अनोखा संगम कहा जा सकता है। इस शहर की सड़कों से गुजरते हुए, मुझे इसकी हरियाली, चमचमाती गगनचुंबी इमारतें और अनुशासित जीवनशैली बहुत प्रभावित करती है। 'हरियाली' शब्द पढ़कर आप चौंक तो नहीं गए! दुबई तो संयुक्त अरब अमीरात में है, जो रेगिस्तानी इलाके के रूप में जाना जाता है। तो यहां हरियाली कैसे? शुरू-शुरू में मुझे भी यही आश्चर्य हुआ था, लेकिन सच यह है कि यहां के बहुत से रिहायशी इलाके बहुत ही व्यवस्थित ढंग से हरे-भरे नजर आते हैं।

इमारतों-सड़कों का आकर्षण: दुबई अपनी गगनचुंबी इमारतों और अद्वितीय वास्तुकला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुर्ज खलीफा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है, दुबई की पहचान बन चुकी है। लेकिन यही नहीं इस शहर की लगभग हर ऊंची इमारत में कोई न कोई ऐसी खासियत है, जो इसे अलग बनाती है। ये खूबसूरत-गगनचुंबी इमारतें न केवल आधुनिकता का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे दुबई का भविष्य भी झांकता दिखाई देता है। दुबई शहर की मुख्य सड़क शेख जायद रोड, जिसके दोनों ओर शानदार इमारतें हैं, ऐसा स्थान है, जो शहर की गतिशीलता और ऊर्जा को भी दर्शाती है। रात के समय इमारतों की जगमगाती रोशनी और सड़कों पर दौड़ती गाड़ियां अत्याधुनिक शहर का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

मन मोहती स्वच्छता: दुबई में कदम रखते ही सबसे पहली बात, जो ध्यान आकर्षित करती है, वह है यहां की बेहतरीन स्वच्छता। चारों तरफ इतनी सफाई रहती है कि आप हैरान हो जाएंगे। मैं दुबई मरीना एरिया में कुछ दिन रहा और नोट किया कि सूरज निकलने से काफी पहले ही म्युनिसिपेलिटी के सफाई कर्मचारी अपने काम में लग जाते हैं और निश्चित करते हैं कि सफाई में कोई भी कमी न रहे। दुबई का हर कोना मानो, यह संदेश देता है कि स्वच्छता ही असली सुंदरता है।

सभी करते हैं नियमों का पालन: यातायात संबंधी कोई परेशानी यहां नजर नहीं आती है। सभी यातायात नियमों का पालन करते हैं। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए अगर आप सड़क पार करते समय निर्धारित स्थानों का उपयोग नहीं करते हैं तो आपको स्थानीय 400 दिरहम (एईडी) का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह न केवल लोगों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि शहर की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने में भी मदद करता है। बहुत सारे विकसित देशों की तरह ही दुबई में भी सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

सी-बीच के लाजवाब नजारे: दुबई के समुद्र तट भी इसकी खासियतों में से एक हैं। साफ-सुथरे और व्यवस्थित समुद्र तटों पर समय बिताना किसी जादुई अनुभव से कम नहीं होता है। मुझे विशेष रूप से दुबई की बीच लाइब्रेरी बहुत पसंद आई। समुद्र किनारे किताबें पढ़ने का अनुभव अनोखा और सुकून भरा होता है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ज्ञानवर्धन का भी। इन तटों पर सुबह-सुबह की सैर और सूर्यास्त के समय का दृश्य मन को असीम शांति प्रदान करता है। दुबई स्थित मरीना बीच और जुमेराह बीच का साफ और व्यवस्थित वातावरण इसे और भी खास बनाता है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी किया जाता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

दिखती है अनेकता में एकता: दुबई शहर की एक विशेषता, यहां विविधताओं का अनोखा संगम भी है। यहां 100 से अधिक देशों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परंपराओं के बावजूद यहां के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। इतनी विविधता के बावजूद, दुबई एकता की मिसाल कायम करने वाला शहर है। यहां की दुकानों और बाजारों में विभिन्न देशों के व्यंजन और उत्पाद आसानी से मिल जाते हैं, जो इस सांस्कृतिक समृद्धि को और भी उजागर करते हैं।

हर जगह दिखती है सुचारु व्यवस्था: दुबई की सार्वजनिक सेवाएं भी बेजोड़ हैं। यहां की मेट्रो सेवा, बस सेवा और टैक्सी सेवा इतनी व्यवस्थित है कि किसी को भी यात्रा करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां का सार्वजनिक परिवहन इतना सुविधाजनक है कि आप बिना किसी परेशानी के शहर के कोने-कोने तक पहुंच सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली इतनी तेज और प्रभावी है कि समय का सम्मान हर जगह नजर आता है।

दुनिया के कई देशों में घूमने के बाद, दुबई ने मुझे यह सिखाया है कि जब विविधता, अनुशासन और स्वच्छता का संगम होता है, तो एक बेहतर शहर-समाज का निर्माण होता है। *

बेमिसाल है मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी

दुबई में कोई पुस्तकप्रेमी पर्यटक आए और मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी न जाए, यह तो हो ही नहीं सकता है। वैसे भी मैं दुनिया में जिस भी नए शहर जाता हूं, वहां की लाइब्रेरी जरूर देखता हूं। लेकिन मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी को देखकर यही कहने को दिल करता है कि ऐसी लाइब्रेरी कोई और नहीं है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग भी बुक शेप्ड है। यहां टेक्नोलॉजी और किताबों को बहुत ही अच्छे तरीके से एक जगह पर संजोया गया है। इस लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों पर बेशुमार पुस्तकें और उनके डिजिटल फॉर्मेट्स बुक लवर्स के लिए उपलब्ध हैं।

यादगार नए साल का स्वागत

इस साल दुबई में नए साल (वर्ष 2025) का स्वागत करना मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव रहा। मरीना बीच पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, संगीत और खुशियों की गूंज ने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। नए साल के मौके पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ और हर चेहरे पर खुशी की चमक इस शहर की जिंदादिली का प्रतीक थी। उसे देखकर यही लगा कि यहां के उत्सवप्रेमी लोग खुशी के हर अवसर को उल्लास से भर देते हैं।

सेल्फ मोटिवेशन
अतुल मलिकराम

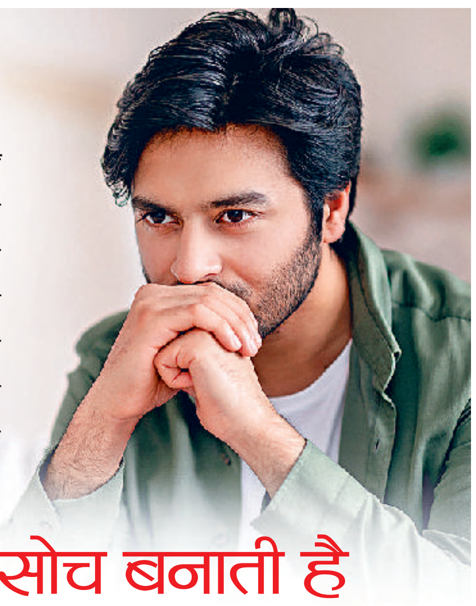

गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है, यह एक मानसिकता का भी परिणाम होती है। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक अपनी स्थिति में बदलाव करना मुश्किल है। यह बदलाव कैसे संभव है, इसके लिए क्या जरूरी है, हमें जरूर जानना चाहिए।

पैसा नहीं सोच बनाती है हमें अमीर या गरीब

गरीबी, हमारे देश-समाज में एक ऐसी समस्या है, जिसे खत्म करने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए गए। इसके लिए हर प्रकार की योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान चलाए गए, फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं पाया जा सका। इसका एक कारण यह है कि इस समस्या को केवल एक आर्थिक स्थिति मानकर ही इसका हल खोजा जाता रहा है, जबकि यह समस्या केवल आर्थिक अभाव की स्थिति नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक मानसिक स्थिति भी है।

सोच रखती है मायने: गरीब होना केवल पैसों की कमी का नाम नहीं होता है, बल्कि यह उस सोच का भी परिणाम है, जो किसी को गरीबी के जाल से बाहर निकलने से रोकती है। कई बार लोग गरीबी को केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके अनुसार, गरीबी मिटाने का समाधान केवल धन है। लेकिन, क्या सचमुच ऐसा है? यदि केवल आर्थिक मदद से गरीबी दूर हो सकती, तो अब तक दुनिया से गरीबी का नामो-निशान मिट चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

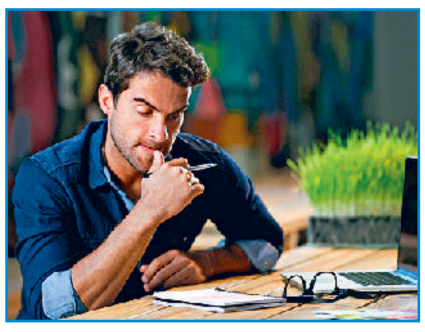

मानसिकता होती है जिम्मेदार: आर्थिक स्थिति के साथ-साथ गरीबी उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें इंसान अपने आप को परिस्थितियों का गुलाम मान लेता है। ऐसी सोच वाले लोग अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास ही नहीं कर पाते। आपने कई बार देखा और सुना होगा कि कुछ परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीब रहते हैं। इसका कारण केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वह मानसिकता है, जो उनकी हर पीढ़ी को विरासत में मिलती है। बच्चे अपने परिवार के वातावरण और सोच को आत्मसात कर लेते हैं। जब वे अपने माता-पिता को यह कहते सुनते हैं, 'हम तो हमेशा से गरीब हैं', या 'गरीबी के साए में पलना-बढ़ना ही हमारी किस्मत में है', तो उनके मन ही नहीं, बल्कि जीवन में भी यही विश्वास घर कर जाता है। और यही विश्वास फिर धीरे-धीरे उनकी सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इस प्रकार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह मानसिकता हस्तांतरित होती रहती है और गरीबी नाम का यह साया और भी काला होता चला जाता है।

सही सोच से संभव है बदलाव: गरीबी की कैद से बाहर निकलने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी असली चाबी है सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प। वे ही लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं, जिन्होंने सबसे पहले अपनी सोच और मानसिकता बदली। उन्होंने यह समझा कि गरीब होना स्थायी स्थिति नहीं है। वे समझते हैं कि यदि वे मेहनत करें, अपने हुनर को पहचानें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो वे अपनी स्थिति को बदल सकते हैं।

आत्मविश्वास से बदलेंगे हालात: सोच के समृद्ध होने का मतलब केवल बड़े सपने देखना भर नहीं होता है। इसका मतलब है, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखना और लगातार प्रयास करते रहना। साथ ही यह ठान लेना कि इस स्थिति से बाहर निकलना ही है। जब तक यह विश्वास नहीं होगा कि आप अपनी स्थिति बदल सकते हैं, तब तक कोई भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा। इसलिए अपनी स्थिति सुधारने के लिए सबसे पहले मानसिकता बदलने की जरूरत है।

खुद पर विश्वास करना गरीबी से बाहर निकलने की पहली सीढ़ी है। जब आप यह मानेंगे कि आप बदलाव ला सकते हैं, तभी आप प्रयास करेंगे। ज्ञान और कौशल वह हथियार हैं, जिनसे आप किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। नए कौशल सीखें और अपने आप को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं। नकारात्मक विचारों को त्यागें और हर समस्या में समाधान ढूंढ़ने की आदत डालें। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं, अपने आप पर विश्वास रखें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो हम गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। *

फैशन ट्रेंड
विवेक कुमार

अगर आप ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी दे, तो स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर आपके लिए परफेक्ट च्वॉइस हो सकती है।

कूल फैशन का ऑप्शन एथलीजर-स्पोर्ट्स वियर

इन दिनों युवाओं में स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर वियर ऐसी ड्रेस होती हैं, जिन्हें खासतौर से स्पोर्ट्स या जिम एक्टिविटीज के लिए डिजाइन किया जाता है। मसलन जॉगर्स, ट्रैक पैंट्स, लेगिंग्स, क्रॉप टॉप्स, हूडीज, स्नीकर्स और जैकेट्स आदि। ये ड्रेसेस डेली यूज के लिहाज से भी कंफर्टेबल और स्टाइलिश होते हैं। यह फैशन आमतौर पर युवा ही कैरी करते हैं, क्योंकि इसे कैरी करने के लिए बॉडी फिटनेस और फ्लैक्सिबिलिटी बहुत जरूरी है, तभी ये बेस्ट अपीयरेंस देती है।

क्यों बढ़ रहा है क्रेज: हाल के सालों में युवाओं में फिटनेस को लेकर क्रेज बढ़ा है, ज्यादा से ज्यादा यंगस्टर्स वर्कआउट करते हैं। आज के फिटनेस फ्रीक यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल और फैशनेबल होने के साथ-साथ उनकी फिटनेस को शो-ऑफ भी करे। ये सारी क्वालिटीज उन्हें स्पोर्ट्स और एथलीजर वियर में एक साथ मिल जाती हैं। ये ड्रेस ग्लोबल और ट्रेंडी फैशन का हिस्सा हैं। चाहे बॉलीवुड या हॉलीवुड के सितारे हों, मशहूर खिलाड़ी हों, बिजनेस टाईकून हों या किसी भी क्षेत्र के कामयाब युवा हों, वे फिट और स्मार्ट दिखने के लिए आजकल स्पोर्ट्स वियर को फैशन की तरह कैरी कर रहे हैं, इसलिए भी ये ड्रेसेस युवाओं को बहुत पसंद आ रही हैं। वे खूब चाव से इन्हें पहनते हैं।

होते हैं कंफर्टेबल-मल्टीपर्पस: एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर हल्के, कंफर्टेबल और स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनाए जाते हैं। ये बॉडी के लिए ब्रिथेबल (सांस लेने योग्य) होते हैं, जिस कारण इन्हें लंबे समय तक पहना जा सकता है। साथ ही ये मल्टीपर्पस और मल्टीस्टाइल होते हैं। जिम, कैजुअल आउटिंग या ऑफिस के लिए भी ये उपयुक्त समझे जाते हैं।

हर प्राइस रेंज में अवेलेबल: मार्केट में हर प्राइस रेंज में एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर अवेलेबल हैं। डिफरेंट ब्रांड्स और क्वालिटी के हिसाब से 500 से 1500 रुपए के लोअर रेंज, 1500 से 5000 रुपए के मिड रेंज और 5000 रुपए से शुरू होने वाले हाई-एंड रेंज में आपको ये स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर मिल जाएंगे।

जब कैरी करें स्पोर्ट्स-एथलीजर: जब भी आप एथलीजर या स्पोर्ट्स वियर कैरी करें तो फिटिंग का ध्यान जरूर रखें। अधिक लूज स्पोर्ट्स वियर अटपटे लगते हैं। ये हमेशा फिट होने चाहिए। हालांकि इतने टाइट भी न हों कि आप असहज महसूस करें। दूसरी जो बात सबसे ज्यादा ध्यान देने की है कि आपके स्पोर्ट्स वियर का मैटीरियल क्या है? वास्तव में ये स्वेट विकिंग यानी पसीना सोखने वाला होना चाहिए और ब्रीथेबल यानी सांस लेने में योग्य तो होना ही चाहिए। स्पोर्ट्स वियर को हमेशा जितना संभव हो सादगी से पहनें। ये कैजुअल आउटिंग के लिए ही ठीक हैं। कभी फॉर्मल इवेंट में इन्हें कैरी करके न जाएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान: न्यूट्रल और मोनोक्रोम लुक्स (जैसे-ब्लैक, व्हाइट, ग्रे) वाले एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर इन दिनों ट्रेंड में हैं। इन्हें कैरी करते समय अपने शूज का भी ध्यान रखना जरूरी है। इनके साथ आप हमेशा क्लीन और ट्रेंडी स्पोर्ट्स शूज या स्नीकर्स ही कैरी करें। स्पोर्ट्स वियर में लेयरिंग लुक भी खूब पसंद की जाती है। लेयरिंग लुक हुडीज, जैकेट्स आदि से मिलती है। लेयरिंग लुक स्पोर्ट्स वियर के साथ बेहतरीन और स्टाइलिश कॉम्बिनेशन बनाती है। जहां तक स्पोर्ट्स वियर के साथ एक्सेसरीज की बात है तो वाच, कैप या स्लिंग बैग जैसे हल्के एक्सेसरीज स्पोर्ट्स वियर को 'वॉव' लुक देते हैं। लेकिन ओवर ड्रेसिंग से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात
पूजा सामंत

कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर 'ब्लैक वारंट' वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसमें जेलर सुनील कुमार गुप्ता के लीड रोल में जहान कपूर नजर आ रहे हैं। बीते दौर के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के ग्रैंडसन जहान ने इस वेब सीरीज से जुड़े एक्सपीरियंस और एक्टिंग करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए इस बातचीत में।

मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी: जहान कपूर

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवानी के प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार बहुत ही मैच्योर तरीके से निभाया है। हाल में पृथ्वी थिएटर में जहान कपूर से बातचीत हुई। पेश है इसके प्रमुख अंश-

हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में लीड एक्टर के तौर पर आपका सेलेक्शन कैसे हुआ?

'ब्लैक वारंट' की कास्टिंग मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा ने की थी, उसमें मैंने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन के 2-3 महीने बाद मुझे विक्रमादित्य मोटवानी के ऑफिस से कॉल आया। मैं उस वक्त मकरंद देशपांडे के निर्देशन में 'सियाचिन' नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहा था। विक्रमादित्य सर के साथ काफी बातचीत और 2-3 मीटिंग्स के बाद मुझे जेलर सुनील कुमार गुप्ता के रोल के लिए सेलेक्ट कर लिया गया।

जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?

यह वेब सीरीज एक किताब 'ब्लैक वारंट : कंफेशन ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित है। इसे लिखा है खुद सुनील गुप्ता और सुनेत्रा चौधरी ने। मैंने सबसे पहले इस किताब को बारीकी से पढ़ा। मेरे रोल और लुक को लेकर काफी डिस्कशंस हुए। मूंछें पतली रखी जाएं या मोटी, बालों को कैसे रखा जाए, यूनिफॉर्म पहन कर कैसी चाल होगी, मेरा चलना शुरू में कैसे होगा, बाद में कैसे होगा? हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दिया गया। इस कहानी में मेरे किरदार के कई पहलू हैं। सुनील गुप्ता के मेंटल स्टेजेस को प्रेजेंट करना काफी मुश्किल था, किताब पढ़ने के बाद मुझे इसमें काफी हेल्प मिली। अब जब इस वेब सीरीज में मेरी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है, तो बहुत अच्छा लग रहा है। इसका श्रेय मैं इस शो की पूरी टीम को दूंगा।

वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' के एक सीन में जहान कपूर

जेलर सुनील गुप्ता के किरदार से आप खुद को कितना रिलेट करते हैं?

यह सच है कि एक पारिवारिक संस्कारी युवक से सुनील कैसे गाली-गलौज करने वाले जेलर बन जाते हैं, कैसे कैदियों की फांसी देखते-देखते उनका दिल डेड जैसा हार्ड हो जाता है, इसे समझना बहुत मुश्किल था। जहां तक रियल लाइफ में सुनील कुमार गुप्ता के किरदार से रिलेट करने की बात है, तो मेरा फैमिली बैकग्राउंड उनसे पूरी तरह से अलग है। सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सुनील की तरह ही मेरा स्वभाव भी सिंपल-सोबर है। मैं भी सुनील की तरह शांतिप्रिय और पॉजिटिव इंसान हूं।

क्या आपने अभिनय में आने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कपूर परिवार के ज्यादातर लोग अभिनय से जुड़े रहे हैं?

यह सच है कि हमारे परिवार का लगभग हर दूसरा सदस्य एक्टिंग से जुड़ा है, लेकिन इसी वजह से मैंने भी यही राह पकड़ी ऐसा नहीं है। मेरी मां 'शोले' फेम निर्देशक रमेश सिप्पी की पुत्री शीना सिप्पी एक जानी-मानी फोटोग्राफर और पिताजी कुणाल कपूर एक्टर के साथ पृथ्वी थिएटर के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। मुझे जब स्कूल में दाखिल किया गया तो सभी को अहसास हुआ कि मैं डिस्लेक्सिक हूं। मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी। मेरे मम्मी-पापा ने तुरंत इसका ट्रीटमेंट शुरू करवाया, तब जाकर मैं इससे बाहर निकला। इस वजह से मेरे करियर को लेकर बहुत ज्यादा प्लानिंग नहीं हुई। दसवीं क्लास के एग्जाम्स के बाद मैं पृथ्वी थिएटर से जुड़ गया। वहां बैक-स्टेज, सेट-डिजाइनिंग से लेकर प्रोडक्शन इंचार्ज तक, मुझे जो भी काम मिलता था, मैं कर लेता था। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही मेरी मां ने मुझे एक एड एजेंसी में काम करने भेजा। मैंने इस एड एजेंसी में कॉपी राइटिंग, को-ऑर्डिनेशन से लेकर मॉडल शूट तक हर डिपार्टमेंट में काम सीखा। इन सबके बीच 'पृथ्वी थिएटर' के नाटकों में मेरा अभिनय भी चल रहा था। इसी तरह मुझे एक्टिंग से लगाव हुआ, और निर्देशक हंसल मेहता ने मुझे अपनी फिल्म 'फराज' में मौका दिया। इस तरह फिल्मों में बतौर एक्टर मैंने करियर बनाना डिसाइड कर लिया।

क्या कपूर परिवार का होने की वजह से आप प्रेशर भी फील करते हैं?

अभिनय की दुनिया में कपूर परिवार को सौ वर्ष हो चुके हैं। मैं शशि कपूर का पोता हूं। लोग आज कहते है मुझ में दादाजी (शशि कपूर) की छवि नजर आती है, यह सुनकर मुझे अच्छा लगता है, लेकिन उन्होंने जो महारत, जो मुकाम हासिल किया, क्या मैं वो क्या हासिल कर सकता हूं? पता नहीं! जाहिर-सी बात है मुझसे भी दर्शकों को कई उम्मीदें होंगी। मेरी तुलना लोग रणबीर, करीना, करिश्मा से भी करते होंगे। लेकिन इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि इंसान को आगे बढ़ने के लिए टैलेंट के साथ किस्मत का साथ होना निहायत जरूरी होता है। और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हर किसी की किस्मत अलग ही होती है। हाथ की पांचों अंगुलियां एक समान होती हैं क्या? प्रतिभा है, पर मौके न मिलें तो प्रतिभा कैसे उजागर होगी? मैं कपूर खानदान से जुड़ा हुआ हूं, सिर्फ इसलिए घर पर बैठे-बैठे काम का इंतजार नहीं करता रहूंगा। मैं खुद कोशिशें करता रहूंगा। ऑडिशन देता रहूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी। *

घर में वे सिर्फ मेरे दादाजी थे...

अपने दादाजी (शशि कपूर) को जहान कैसे याद करते हैं, उनकी कौन सी फिल्में उन्हें पसंद हैं पूछने पर जहान बताते हैं, 'फिल्मी पर्दे पर तो वे शशि कपूर थे, द अल्टीमेट हैंडसम हीरो। लेकिन घर में मुझे प्यार करने वाले, वे सिर्फ मेरे दादाजी थे। मेरी अंगुली पकड़ कर मुझे आइसक्रीम खिलाने ले जाते थे। अकसर मुझे और मेरी सिस्टर शायरा को इंग्लिश फिल्म दिखाने ले जाते थे। बहुत सुनहरे दिन थे वो। जहां तक उनकी फेवरेट फिल्म की बात है तो दादाजी की हर फिल्म तो मैंने देखी नहीं, लेकिन 'दो और दो पांच', 'कलयुग', 'शर्मिली', 'दीवार', 'जूनून', 'आ गले लग जा' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं।'